कोटद्वार, बुधवार
21 अगस्त 2024
वर्ष: 46
अंक: 115 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

मयकोट में गुलदार दिखने से ग्रामीणों में दहशत

नई टिहरी : भिलंगना ब्लॉक की बालगंगा रेंज के मयकोट में दो गुलदार दिखाई देने के बाद ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने वन विभाग से गांव में पिंजरा लगाकर गुलदारों को पकड़ने की मांग की है। मयकोट के ग्राम प्रधान वीरपाल बिष्ट ने बताया कि सोमवार शाम को दो गुलदार गांव के आस-पास चहलकदमी करते दिखाई दिए। जिसके बाद ग्रामीण दहशत में आ गए। उन्होंने बताया कि, क्षेत्र में गुलदारों की मौजूदगी से क्षेत्र में दहशत का माहौल है तथा लोग देर शाम को ही घरों के अंदर कैद हो गए। बीते एक वर्ष पूर्व गुलदार ने गांव में एक 9 वर्षीय बालक को अपना निवाला बना दिया था। ग्रामीणों की मांग पर वन विभाग ने गुलदार को शूट कर लिया था, लेकिन अब दो-दो गुलदार एक साथ दिखाई देने से फिर से लोग दहशत में आ गए। स्थानीय निवासी कुंवर सिंह रावत ने बताया कि रात में गुलदार लाटा में स्थित एक मुर्गी फार्म के आसपास चहलकदमी करते रहे। उन्होंने वन विभाग से क्षेत्र में रात्रि गश्त करने के साथ ही पिंजरा लगाकर गुलदारों को पकड़ने की मांग की है। रेंज अधिकारी प्रदीप चौहान ने लोगों से सतर्क रहने के साथ ही घरों के आसपास झाड़ियों की सफाई करने, घरों की लाइटें जलाकर रखने व बच्चों को रात को बाहर न भेजने की अपील की। उन्होंने कहा कि, क्षेत्र में विभागीय गश्ती दल तैनात किया जाएगा। (एजेंसी)

चलते-चलते बेहोश हुआ पूर्व वायु सेना कर्मी, मौत

हल्द्वानी। पूर्व वायु सेना कर्मी 40 वर्षीय पंकज बिष्ट मंगलवार सुबह चलते-चलते बेहोश होकर सड़क पर गिर पड़े। स्थानीय लोगों ने 108 एंबुलेंस से अस्पताल भेजा, लेकिन एसटीएच पहुंचने तक उनकी मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। पंकज बिष्ट मूलरूप से मुखानी के आनंदपुर के रहने वाले थे। भूमिया विहार स्थित मकान में वह पिता धर्मसिंह बिष्ट के साथ परिवार से अलग रहते थे। जानकारी के अनुसार उनकी पत्नी और दो बच्चे आरटीओ रोड स्थित जयदेव पुरम में रहते हैं। मंगलवार सुबह करीब 8:30 बजे पंकज घर से एक बैग लेकर पैदल ही निकले थे। हरिपुर नायक स्थित शिवपुर कॉलोनी के पास अचानक सड़क पर बेहोश होकर गिर पड़े। लोगों ने बेहोश देख उन्हें एंबुलेंस से एसटीएच भेजा और पुलिस को सूचना दी। अस्पताल पहुंचने तक पूर्व सैन्यकर्मी की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार पंकज लीवर सिरोसिस की दिक्कत भी थी। उनके दो बड़े भाइयों की पहले ही मृत्यु हो चुकी है। मुखानी एसओ पंकज जोशी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज में पंकज आराम से जाते हुए दिखाई दिए हैं। मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही पता चल पाएगा।

सड़क हादसे में घायल 15 वर्षीय किशोर की मौत

हल्द्वानी। वनभूलपुरा निवासी 15 वर्षीय किशोर की मंगलवार सुबह निजी अस्पताल में मौत हो गई। 17 अगस्त की दोपहर किशोर को एक महिला कार चलाक ने टक्कर मार दी थी। उसका निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इंदिरानगर वार्ड एक निवासी भानु सागर पुत्र स्व.रवींद्र कुमार क्षेत्र में ही संचालित स्कॉलर एकेडमी में कक्षा 10 का छात्र था। पिता ऊर्जा निगम में कर्मचारी थे। 15 साल पहले ड्यूटी के दौरान ही उनकी मौत हो गई थी। परिवार में भानु की मां और छोटी बहन हैं। किशोर के मामा मदन सिंह ने बताया कि 17 अगस्त की दोपहर करीब 2:30 बजे बरेली रोड स्थित निजी अस्पताल के सामने एक तेज रफ्तार कार ने उसे टक्कर मार दी थी। कार एक महिला चला रही थी। किशोर को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

मंगलवार की सुबह इलाज के दौरान किशोर की मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द किया गया। वहीं टक्कर मारने वाली कार शहर के चर्चित व्यक्ति के परिजन की बताई जा रही है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं। कोतवाल उमेश कुमार मलिक ने बताया कि जांच की जा रही है।

हाईकोर्ट ने कहा था- यौन इच्छा पर काबू रखें लड़कियां

अब सुप्रीम कोर्ट ने पलटा दिया फैसला

नई दिल्ली ,। सुप्रीम कोर्ट ने आज मंगलवार को कलकत्ता हाई कोर्ट के 2023 के उस विवादित फैसले पर रोक लगा दी है जिसमें यौन हमले से जुड़े मामले में एक आरोपी को बरी कर दिया था और किशोरियों को यौन इच्छा नियंत्रित करने की आपत्तिजनक सलाह भी दी गई थी। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने जजों के लिए किशोरों से जुड़े मामलों में फैसले लिखने के तौर-तरीकों के बारे में भी दिशा-निर्देश जारी कर दिया।

जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्ज्वल भुइंया की बेंच ने यह फैसला लिया है। पिछले साल विवाद बढ़ने पर सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर स्वतः संज्ञान लिया था। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के आदेश पर रोक भी लगा दी थी। यही नहीं देश की सबसे बड़ी अदालत ने हाईकोर्ट के आदेश की आलोचना भी की थी। साथ ही इसे आपत्तिजनक और अवांछित टिप्पणी करार दिया गया था। कोलकत्ता हाई कोर्ट के पिछले साल 18 अक्टूबर 2023 को दिए फैसले के खिलाफ पश्चिम बंगाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी।

इससे पहले देश की शीर्ष अदालत ने पिछले साल आठ दिसंबर को हाई कोर्ट के फैसले की कड़ी आलोचना की थी। साथ ही इसे हाई कोर्ट की बिल्कुल आपत्तिजनक और पूर्ण रूप से अवांछित टिप्पणी करार दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के फैसले के दौरान की गई उन कुछ टिप्पणियों का स्वतः संज्ञान लिया था और उस पर रिट याचिका के रूप में सुनवाई शुरू की थी। तब शीर्ष अदालत ने यह कहा था कि फैसला लिखते वक्त जजों से उपदेश की उम्मीद नहीं की जाती है।

लिव इन में रह रहे युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

काशीपुर ।महिला के साथ लिव इन में रह रहे युवक ने महिला के मुंह बोले भाई के साथ कहासुनी के बाद सोमवार की रात चादर का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन की। आईटीआई थाना क्षेत्र के हिम्मतपुर निवासी सीटू पुत्र बबलू सिंह कालागढ़ जिला बिजनौर निवासी एक महिला के साथ श्याम पुरम में किराए के मकान में रह रहा था। सोमवार की रात लगभग 9:30 बजे महिला का मुंह बोला भाई राखी बंधवाने आया था। इस दौरान सीटू की उससे किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। इसके बाद महिला और युवक के बीच झगड़ा हो गया। इस झगड़े के बाद सीटू कमरे में चला गया और रात करीब 12 बजे के आसपास उसने चादर का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। इसकी सूचना मकान मालिक ने पुलिस को दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक टांडा उज्जैन में एक मिठाई की दुकान में काम करता था और वह अविवाहित था। जबकि महिला विवाहित है। वह अपने पति को छोड़कर लगभग डेढ़ वर्ष से यहां रह रही है।

सात महीने के बच्चे के पेट में मिला भ्रूण

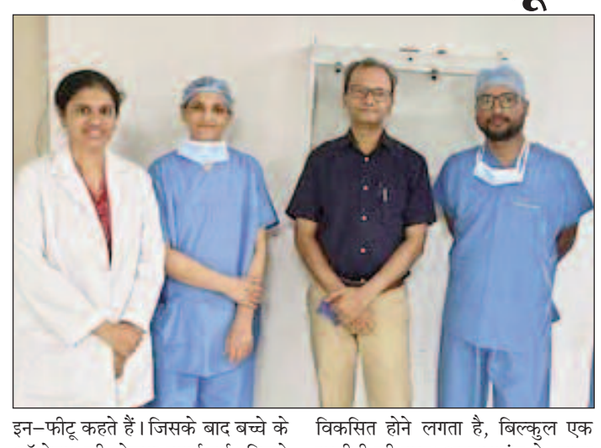

देहरादून। देहरादून में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक सात महीने के बच्चे के पेट में भ्रूण मिला। बच्चे के लगातार बढ़ रहे पेट को देख परिजन हैरान रह गए। जब उन्होंने डॉक्टरों को दिखाया तो बच्चे के पेट में भ्रूण होने की बात सामने आई। तब हिमालयन अस्पताल जौलीग्रांट में डॉक्टरों की टीम ने बच्चे का ऑपरेशन कर नया जीवन दिया।

जानकारी के अनुसार, बच्चा जब सिर्फ सात माह का था, जब उसकी मां का ध्यान उसके बढ़ते हुए पेट पर गया। शुरू में उसने इसे नजरअंदाज किया। पर जब पेट निरंतर बढ़ता ही गया तो उसे चिंता हुई। कई जगह चिकित्सकों को दिखाने के बावजूद बच्चे को आराम नहीं मिला।

बच्चे की मां व परिजनों ने हिमालयन अस्पताल जॉलीग्रांट में वरिष्ठ बाल शल्य-चिकित्सक डॉ.संतोष सिंह से संपर्क किया। रिंकू की प्राथमिक जांच मे उन्हें पेट मे किसी असामान्य गांठ होने का शक हुआ। जब एक्सरे किया गया तो रिंकू के पेट मे पल रहे एक मानव-भ्रूण होने का पता चला। डॉ.संतोष सिंह ने बताया कि इसे मेडिकल भाषा मे फीटस-इन-फीटू कहते हैं। जिसके बाद बच्चे के ऑपरेशन की योजना बनाई गई। पिछले सप्ताह बच्चे का सफल ऑपरेशन किया गया। उसके पेट से भ्रूण को सफलतापूर्वक निकाल दिया गया है। ऑपरेशन के चार दिन बाद पूर्ण रूप से स्वस्थ बच्चे को घर भेज दिया गया।

डॉ.संतोष सिंह ने बताया कि फीटस-इन-फीटू मानव भ्रूण-विकास की एक अत्यंत असामान्य घटना है। इसमें भ्रूण विकास के समय किसी अज्ञात वजह से एक भ्रूण दूसरे के अंदर विकसित होने लगता है, बिल्कुल एक परजीवी की तरह। अल्ट्रासाउंड से इसका पता मां के गर्भ में ही लगाया जा सकता है, हालांकि अधिकतर मामलों मे इसका पता जन्म के बाद ही चलता है।

डॉ. ने बताया फीटस-इन-फीटू जैसे केस लगभग पांच लाख में से भी अधिक गर्भावस्थाओं में किसी एक को हो सकता है। आमतौर पर ये एक से दो वर्ष तक की आयु मे शिशु के पेट के असामान्य तरीके से बढ़ने के कारण ही संज्ञान में आता है।

अगस्त्यमुनि बनेगी नगर पालिका, भणज में खुलेगा आईटीआई : धामी

●केदार घाटी के विकास के लिए राज्य सरकार पूरी तरह समर्पित● मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वर्चुअल माध्यम से अगस्त्यमुनि में आयोजित रक्षाबंधन कार्यक्रम को किया संबोधित

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : मौसम खराब होने के चलते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी अगस्त्यमुनि रुद्रप्रयाग में प्रस्तावित रक्षाबंधन कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके।

हालांकि वर्चुअल माध्मय से उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जल्द रुद्रप्रयाग पहुंचने का वादा कार्यक्रम में शामिल मातृशक्ति से किया। मुख्यमंत्री ने जनपद को सौगात देते हुए अगस्त्यमुनि नगर पंचायत को नगर पालिका बनाने, जनपद में तकनीकि शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए भणज में आईटीआई खोलने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि केदारनाथ धाम में दूसरी चरण की यात्रा को लेकर पूरी व्यवस्थाएं चाक-चौबंद की जा रही है। यात्रा को और सुगम एवं सुव्यस्थित बनाने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। बताया कि चारधाम यात्रा के लिए अब मौके पर पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध रहेगी। वहीं श्रद्धालुओं की संख्या पर कोई बाध्यता भी नहीं होगी। हरिद्वार, ऋषिकेश, चारों धामों सहित हर संभावित स्थान पर पंजीकरण का विकल्प अब मौजूद रहेगा। इस वर्ष की यात्रा पूर्ण होते ही अगले वर्ष की यात्रा के लिए अभी से तैयारियां शुरू कर दी जाएंगी। जल्द यात्रा प्राधिकरण के माध्यम से यात्रा संचालन शुरू होने जा रही है, इसके लिए तेजी से कार्य चल रहा है। उन्होंने कहा कि केदारनाथ या किसी दूसरे धाम के नाम पर कहीं भी देश में दूसरा मंदिर नहीं बनेगा। इसके लिए सरकार ने तुरंत मंत्री मंडल में प्रस्ताव लाकर निर्णय लिया है। कहा कि केदार घाटी के विकास के लिए राज्य सरकार पूरी तरह समर्पित है। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश महामंत्री आदित्य कोठारी, जिलाध्यक्ष महावीर सिंह पंवार, जिला पंचायत अध्यक्ष अमरदेई शाह, महिला मोर्चा अध्यक्ष आशा नौटियाल, राज्यमंत्री चंडी प्रसाद भट्ट, ओएसडी मुख्यमंत्री बलवीर सिंह दानू, जिला पंचायत उपाध्यक्ष सुमंत तिवाड़ी, पूर्व जिलाध्यक्ष वाचस्पति सेमवाल, कुलदीप सिंह रावत, पंकज भट्ट, जिलाधिकारी सौरभ गहरवार, एसएसपी पौड़ी लोकेंद्र सिंह, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जीएस खाती, अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा, उप जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग आशीष घिल्डियाल, ऊखीमठ अनिल शुक्ला, सीओ प्रबोध घिल्डियाल, डीपीओ अखिलेश मिश्रा, मुख्य शिक्षा अधिकारी परमेंद्र सिंह बिष्ट, तहसीलदार ऊखीमठ प्रदीप नेगी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन भाजपा जिला महामंत्री भारत भूषण भट्ट ने किया।

दर्दनाक हादसा : ट्रक ने टैक्सी में मारी टक्कर, 5 की मौके पर मौत, 6 से ज्यादा घायल

भोपाल , मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में भीषण सडक़ हादसा हो गया। कदारी के पास है॥-39 हाइवे पर ट्रक ने टैक्सी को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। 6 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों में बूढ़े और बच्चे भी शामिल हैं।

जानकारी के अनुसार, हादसे का शिकार हुई टैक्सी छतरपुर रेलवे स्टेशन से बागेश्वर धाम जा रही थी। मौके पर पहुंची पुलिस ट्रक से जुड़ी हुई और डिटेल खंगालने में जुटी हुई है। घटना स्थल से ये भी जानकारी सामने आई है कि हादसे का शिकार हुई टैक्सी में अपनी क्षमता से 4 गुना अधिक सवारी भरी हुई थी। ये हादसा छतरपुर जिले में कदारी के पास एनएच 39 पर सुबह 5 बजे के आसपास हुआ है।

मौके पर पहुंचे लोगों ने 108 की मदद से घायलों को जिला अस्पताल छतरपुर भेजा है। पुलिस ने मृतकों के शव को कब्जे में लिया है। मृतकों की

राहुल गांधी नागरिकता मामले की सुनवाई जनहित याचिका की तरह होगी

-दिल्ली हाई कोर्ट का निर्देश

नईदिल्ली,दिल्ली हाई कोर्ट ने मंगलवार को राहुल गांधी की नागरिकता के मामले की सुनवाई जनहित याचिका के रूप में करने का निर्णय लिया। उन्होंने याचिका को रोस्टर पीठ के समक्ष भेजा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, कोर्ट ने निर्देश दिया कि सुब्रमण्यम स्वामी की याचिका को रोस्टर पीठ के समक्ष जनहित याचिका के रूप में सूचीबद्ध किया जाए।कोर्ट ने साफ तौर पर कहा कि उन्होंने मामले के गुण और दोष पर कोई टिप्पणी नहीं की है। रिपोर्ट के मुताबिक, न्यायमूर्ति संजीव नरूला ने याचिका पर सुनवाई के दौरान पाया कि स्वामी इस मामले में कोई लागू करने योग्य संवैधानिक अधिकार प्रदर्शित करने में विफल रहे।कोर्ट ने स्वामी के इस रुख पर गौर किया कि मामले में जनहित शामिल है और कहा कि याचिका पर जनहित याचिकाओं से निपटने वाली रोस्टर पीठ द्वारा सुनवाई की जाएगी।इसलिए, कोर्ट ने मामले को रोस्टर पीठ (कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन की अध्यक्षता में) को स्थानांतरित कर दिया है।

भारी बारिश से पाकिस्तान में तबाही, 20 लोगों की मौत

कुल आंकड़ा 215 पहुंचा

इस्लामाबाद , पाकिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने मंगलवार को बताया कि पिछले 24 घंटों में पाकिस्तान में मानसून से संबंधित घटनाओं में 20 लोगों की मौत हो गई है। अब तक मरने वालों की संख्या 215 हो गई है।

एनडीएमए ने एक रिपोर्ट में कहा कि पिछले 24 घंटों में बारिश से होने वाली दुर्घटनाओं और बाढ़ के कारण कुल 43 लोग घायल हुए हैं। जुलाई में शुरू हुए मानसून के मौसम में घायल होने वालों की संख्या 405 हो गई है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया कि मृतकों में 108 बच्चे और 32 महिलाएं शामिल हैं। 86 मौतों के साथ पूर्वी पंजाब प्रांत सबसे अधिक प्रभावित रहा। इसके बाद उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा क्षेत्र और दक्षिणी सिंध प्रांत में 65 और 37 मौतें हुई हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में 18 लोग मारे गए। उधर पाकिस्तान के नियंत्रण वाले कश्मीर में पांच लोग मारे गए और उत्तरी गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में मानसून से संबंधित घटनाओं में चार लोगों की मौत हो गई।

एनडीएमए ने यह भी कहा कि देश में मानसून के मौसम में 448 पशुधन की मौत हो गई, जबकि 2,575 घर और 31 पुल क्षतिग्रस्त हो गए। रिपोर्ट के अनुसार, देश में काबुल, सिंधु और झेलम नदियों के जलग्रहण क्षेत्रों में अगले 48 घंटों में मध्यम तीव्रता के साथ भारी बारिश हो सकती है। सरकार ने चिकित्सा सेवा और राहत के लिए कुल 86 शिविर स्थापित किए हैं। इन शिविरों में अब तक 4,102 लोगों को सहायता मिल चुकी है। पाकिस्तान में मानसून का मौसम सितंबर तक चलता है।

श्रेयस तलपड़े की मौत की खबर झूठी, परेशान अभिनेता ने कहा- मैं जिंदा और स्वस्थ हूं

मुंबई,अभिनेता श्रेयस तलपड़े को लेकर हाल ही में खबरें आई थीं कि उनकी मौत हो गई है। हालांकि, इन खबरों में कोई सच्चाई नहीं है।अभिनेता की मौत का दावा करने वाला एक भ्रामक पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे अभिनेता के प्रशंसक भी काफी परेशान हो गए।यह पोस्ट इतना ज्यादा वायरल हो गया कि श्रेयस को खुद अपने स्वास्थ्य को लेकर एक बयान जारी करना पड़ गया। श्रेयस ने अपने स्वास्थ्य की जानकारी देते हुए लिखा, मैं जीवित, खुश और स्वस्थ हूं। उन सभी शुभचिंतकों को धन्यवाद, जिन्होंने इस भ्रामक पोस्ट को पढ़ने के बाद मुझसे संपर्क किया। मैं समझता हूं कि मस्ती-मजाक का भी अपना स्थान है, लेकिन जब इसका दुरुपयोग किया जाता है तो यह सच में काफी नुकसान पहुंचा सकता है। ये झूठी खबर मेरी बेटी के डर को और गहरा कर देती है। मैं उसे संभालने की कोशिश कर रहा हूं। श्रेयस ने लोगों से उनके निधन को लेकर ऐसी अफवाहें उड़ाने को बंद करने का आग्रह किया है।

श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर महायोगी पायलट बाबा का निधन

अखाड़े की सभी शाखाओं में तीन दिन का शोक

हरिद्वार।श्री पंचदश नाम जूना अखाड़े के वरिष्ठतम महामंडलेश्वर महायोगी पायलट बाबा का आज मुंबई के एक अस्पताल में निधन हो गया है जिससे जूना अखाड़े सहित समस्त संत समाज व अखाड़े में शोक की लहर व्याप्त है। जूना अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक श्री महंत हरी गिरी महाराज के निर्देश पर जूना अखाड़े की पूरे प्रदेश में स्थित सभी शाखाओं, आश्रमों और मुख्य पीठों पर शोक सभा व शांति पाठ का आयोजन किया जा रहा है। जूना अखाड़े द्वारा तीन दिन का शोक घोषित किया गया है। इन तीन दिनों में पायलट बाबा की आत्मा की शांति के लिए शांति पाठ हवन तथा विशेष पूजा-अर्चना की जाएगी । श्री महंत हरी गिरी महाराज ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि पायलट बाबा एक सच्चे योगी व समाज की देश की सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहते थे। वह 1974 में विधिवत दीक्षा लेकर जूना अखाड़े में शामिल हुए और अपनी संन्यास यात्रा प्रारंभ की। संन्यासी बनने से पूर्व पायलट बाबा भारतीय वायुसेना में पायलट के रूप में कार्यरत थे और उन्होंने 1962, 1965, 1971 के युद्ध में भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर के पद पर रहते हुए भाग लिया था। उन्होंने कहा पायलट बाबा जूना अखाड़े के विभिन्न पदों पर रहते हुए अखाड़े की उन्नति प्रगति विकास के लिए हमेशा कार्यरत रहे। 1998 में महामंडलेश्वर पद पर आसीन होने के बाद उन्हें 2010 में उज्जैन में प्राचीन जूना अखाड़ा शिवगिरी आश्रम नीलकंठ मंदिर में जूना अखाड़े के पीठाधीश्वर पद पर अभिषिक्त किया गया।श्री महंत हरी गिरी महाराज ने कहा पायलट बाबा की अंतिम इच्छा के अनुसार उन्हें उत्तराखंड की पावन भूमि में समाधि दी जाएगी । जूना अखाड़े के समस्त पदाधिकारी और वरिष्ठ संत,महामंडलेश्वर उनको समाधि देने के लिए पहुंचेंगे।

बाबा की आत्मा की शांति के लिए श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

जूना अखाड़ा हरिद्वार में पायलट बाबा के ब्रह्मलीन होने पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें राष्ट्रीय सचिव श्री महंत महेश पुरी सचिव श्रीमान शैलेंद्र गिरी श्रीमहंत पूर्ण गिरि, श्रीमहंत सुरेशानंद सरस्वती ,कोठारी महंत महाकाल गिरि ,महंत रतन गिरी, महंत हीरा भारती ,महंत गौतम गिरि, महंत आकाश पूरी ,महंत धीरेंद्र पुरी आदि ने उनको श्रद्धांजलि दी तथा भैरव अखाड़ा घाट पर मां गंगा में श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

केंद्र सरकार मंकीपॉक्स को लेकर अलर्ट

●सीमाओं-एयरपोर्ट पर बढ़ाई चौकसी; दिल्ली में 3 अस्पताल रिजर्व

भोपाल ,अफ्रीकन कंट्री में मंकीपॉक्स तेजी से फैल रहा है। इस साल की शुरुआत से अब तक डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में मंकीपॉक्स के चलते 548 लोगों की मौत हो चुकी है। अफ्रीकन देशों के अलावा मंकीपॉक्स के दूसरे देशों में भी फैलने की संभावना है। इसके चलते भारत सरकार अभी से अलर्ट हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी हवाई अड्डों के साथ-साथ बांग्लादेश और पाकिस्तान की सीमाओं के पास स्थित भूमि बंदरगाहों के अधिकारियों को मंकीपॉक्स के चलते अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के प्रति सतर्क रहने को कहा है। सरकार के आदेश के बाद मंकीपॉक्स के खतरे को भांपते हुए चौकसी बढ़ा दी गई। स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंकीपॉक्स से पीड़ित किसी भी रोगी के आइसोलेशन, प्रबंधन और इलाज के लिए दिल्ली में रुकने की खास व्यवस्था की है। यहां डॉक्टरों की टीम उसकी निगरानी करेगी।

दिल्ली में राम मनोहर लोहिया अस्पताल, सफदरजंग अस्पताल और लेडी हार्डिंग अस्पताल को नोडल केंद्रों के रूप में चिह्नित किया गया है। सूत्रों ने बताया कि सभी राज्य सरकारों को भी अपने यहां ऐसे चिह्नित अस्पतालों की पहचान करने को कहा गया है। जहां मंकीपॉक्स से जुड़े मरीजों की मॉनिटरिंग और आइसोलेशन में रखा जा सके। मंकीपॉक्स के बढ़ते खतरे को लेकर पीएम मोदी के प्रधान सचिव पीके मिश्रा ने रविवार को एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की थी। इसमें त्वरित पहचान के लिए निगरानी बढ़ाए जाने के बीच मंकीपॉक्स को लेकर देश की तैयारियों की समीक्षा की गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अफ्रीका के कई हिस्सों में इसकी व्यापकता और प्रसार को देखते हुए एमपॉक्स को अंतरराष्ट्रीय चिंता का विषय बताया है। साथ ही मंकीपॉक्स को सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया हुआ है। पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान के बाद पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में भी इस वायरस का पहला केस सामने आया है। इसके बाद संक्रमित लोगों की संख्या बढक़र चार हो गई है। पीओके के रहने वाले 47 साल के शख्स में यह वायरस पाया गया है। यह शख्स हाल ही में सउदी अरब के जेद्दा से पाकिस्तान लौटा था। एमपॉक्स के लक्षण के साथ इस शख्स को इस्लामाबाद के पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में भर्ती किया गया था।

डाक्टर दुष्कर्म-मर्डर केस में आरोपी की सास आई सामने

कोलकाता ,कोलकाता में एक प्रशिक्षु डॉक्टर के बलात्कार और हत्या के बाद चल रही जांच और विरोध प्रदर्शन के बीच आरोपी संजय रॉय की सास ने कहा कि इस घटना में कई लोग शामिल हो सकते हैं। अकेले संजय यह सब नहीं कर सकता। उन्होंने बताया कि उनकी बेटे के साथ संजय रॉय का व्यवहार तनावपूर्ण रहा है। आरोपी की सास ने कहा कि संजय उनकी बेटी की पिटाई करता था। उसके खिलाफ पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई थी। आरोपी की सास ने कहा कि संजय रॉय अच्छा इनसान नहीं था। उसे फाँसी दो या उसके साथ जो चाहो करो। वह यह काम अकेले नहीं कर सकता था।

सभी सरकारी अस्पतालों में किए जाएं सुरक्षा के कड़े इंतजाम

-स्वास्थ्य परिवार कल्याण मंत्रालय का निर्देश

नई दिल्ली,। केंद्रीय स्वास्थ्य परिवार कल्याण मंत्रालय ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज में हुई घटना के मद्देनजर एम्स सहित सभी केंद्रीय अस्पतालों को पत्र लिखा है। सभी अस्पतालों को सुरक्षा के व्यापक इंतजाम उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

पत्र में कहा गया है कि चिकित्साकर्मियों के साथ अपराध मंजूर नहीं है।पत्र में यह भी कहा गया कि निजी अस्पतालों की तुलना में सरकारी अस्पताल मरीजों के लिए सुलभ होते हैं। इसी वजह से निजी अस्पतालों में आपराधिक कृत्य अधिक होते हैं। ऐसे में यहां सुरक्षा के उचित बंदोबस्त करना अस्पताल का दायित्व बनता है। इसमें लिखा है कि जिस तरह से पिछले कुछ दिनों से चिकित्सकर्मियों के साथ हिंसक व आपराधिक कृत्य की खबरें प्रकाश में आ रही हैं, उससे स्पष्ट है कि मौजूदा सुरक्षा-व्यवस्था अपर्याप्त है। पत्र में निर्देश दिए गए हैं कि अस्पताल के प्रवेश व निकासी द्वार पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं, ताकि आने-जाने वाले सभी लोगों की गतिविधियों को कैमरों में कैद किया जा सके। अगर कोई अप्रिय घटना कैद होती है, तो अपराधी को तुरंत पकडऩे में मदद मिले। चिट्ठी के मुताबिक अस्पताल में निकासी और प्रवेश द्वार साथ ही सभी संवेदनशील परिसरों में भी कैमरे लगाए जाएं।

संपादकीय

महिलाएं सुरक्षित नहीं

देश भर में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर बवाल मचा हुआ है खासतौर से कोलकाता की एक घटना ने तो महिला संबंधी अपराधों को लेकर एक नई व्यवस्था बनाने की जरूरत भी जाहिर कर दी है। एक चहल–पहल वाले अस्पताल के अंदर ही जूनियर डॉक्टर के साथ सामूहिक अपराध और बुरी तरह से शारीरिक शोषण की घटना ने समूह के देश में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। केंद्र हो या राज्य सरकार कोई भी अब अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकता और बात केवल चिकित्सकों की सुरक्षा को लेकर नहीं है बल्कि सार्वजनिक जीवन तथा कामकाजी महिलाओं की सुरक्षा भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा बन चुका। तमाम कड़े कानून लाने के बाद भी महिलाओं पर होने वाले अपराधों की फेरिश्त कम होती नजर नहीं आ रही है। निर्भया कांड से पहले और उसके बाद ऐसी घटनाओं की एक कभी ना खत्म होने वाली सूची एनसीआरबी के पास है लेकिन इनमें से कितने प्रकरणों का खुलासा हुआ है और कितने मामले अभी भी अदालत में घिसते आ रहे हैं या किसी से छिपा नहीं है। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज–अस्पताल में महिला डॉक्टर के दुष्कर्म और हत्या के मामले में अब सवोच्च न्यायालय ने भी कड़ी प्रतिक्रिया दी है। कोर्ट ने देशभर में डॉक्टरों की सुरक्षा को लेकर नेशनल टास्क फोर्स का गठन किया है। यह टास्क फोर्स डॉक्टरों की सुरक्षा को लेकर सुझाव देगी। कोलकाता की इस घटना के बाद न केवल संबंधित राज्य में बल्कि पूरे देश में एक बहस के साथ–साथ आंदोलन भी छिड़ा हुआ है। तमाम अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हुई हैं, तो सीबीआई अपनी जांच को आगे बढ़ा रही है। उम्मीद की जा रही है कि अभी इस प्रकरण में शामिल अन्य लोग भी पकड़े जाएंगे और वह लोग भी बेनकाब होंगे जो भारी भीड़ की शक्ल में सबूत को नष्ट करने के लिए अस्पताल में घुस गए थे।संजीदगी की बात यह है कि जूनियर डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या और अस्पताल में तोड़फोड़ के मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने खुद ही इसका संज्ञान लिया है। इससे बड़ी विडंबना भला और क्या होगी कि इस पूरे प्रकरण में मेडिकल कॉलेज की उस प्रिंसिपल की भूमिका पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं जिसका काम अपने छात्रों को सुरक्षा और भरोसा दिलाना है। देशभर में चिकित्सकों की सुरक्षा को लेकर टास्क फोर्स का गठन तो किया गया है लेकिन अस्पतालों के अंदर महिला मेडिकल स्टाफ की सुरक्षा का दायरा कैसे तय होगा? सिर्फ एक अस्पताल ही नहीं बल्कि क्या हमारे देश में लड़कियां हर स्थान पर महफूज हैं? उत्तराखंड देवभूमि में भी सामूहिक बलात्कार का एक मामला सुर्खियों का केंद्र बना हुआ है जिसमें रोडवेज कर्मचारियों ने बस अड्डे में ही बस के अंदर एक नाबालिक बच्ची के साथ गैंगरेप किया। कल्पना की जा सकती है कि हमारे समाज में महिलाओं सुरक्षा का दायरा कितना सख्त है और इस प्रकार का अपराध करने वालों के मन में कानून का कितना खौफ? ऐसे मामलों को फास्ट्रेक कोर्ट में अनिवार्य तौर पर चलना चाहिए ताकि जल्द से जल्द ऐसे आरोपियों को सरकारी राशन खिलाकर पालने के स्थान पर जल्द से जल्द सजा सुना कर समाज से हमेशा के लिए हटा दिया जाए।

फिलहाल बिल ठंडे बस्ते में

जिस भी जमीन का कोई वारिस न हो और वो सरकार के अधीन हो, उसे नजूल जमीन कहते हैं। गौरतलब है कि औपनिवेशिक शासन में अंग्रेजों द्वारा भारत में बड़ी संख्या में जमीनों पर कब्जा किया गया था, लेकिन आजादी के बाद जिस भी नागरिक के पास उसकी जमीन के दस्तावेज थे उन्हें उनकी जमीन वापस मिल गई, परंतु ऐसी कई जमीनें थीं जिनकी मिल्कियत के प्रमाण या जीवित स्वामी उपलब्ध नहीं थे। ऐसी जमीनों को सरकार ने अपने पास रखा, जिसे नजूल जमीन कहा गया। आजादी के बाद इस नजूल जमीन पर यदि कोई रह रहा था तो उससे सरकार ने किराया वसूलना शुरू किया और उस जमीन को लंबे समय के लिए लीज पर देना शुरू कर दिया। इसके बावजूद ऐसी कई नजूल जमीनें हैं जिन पर लोग अवैध कब्जा कर रह रहे हैं, परंतु जैसे ही उत्तर प्रदेश में नजूल संपत्ति अधिनियम पेश हुआ, तो सरकार ने इस बात को स्पष्ट कर दिया कि जिस–जिस नजूल जमीन पर लोग गैरकानूनी ढंग से रह रहे हैं या जिन नजूल जमीनों की लीज का किराया सरकार को नहीं दिया जा रहा, उस नजूल जमीन को उत्तर प्रदेश की सरकार वापस ले लेगी और इस भूमि को सरकारी विकास कार्य के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। योगी जी द्वारा उठाया गया ये कदम सही था, परंतु विपक्ष को इस बात पर शक है कि विकास कार्य के नाम पर कहीं प्रदेश की लाखों करोड़ की हजारों एकड़ जमीन को अपने खास चुनिंदा लोगों के बीच बांट दिया जाएगा।

रजनीश कपूर

बीते सप्ताह उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विधान सभा में नजूल संपत्ति अधिनियम पेश किया गया। इस बिल को विधान सभा में तो पास कर दिया गया परंतु उत्तर प्रदेश विधान परिषद में इसका भारी विरोध हुआ जिसके चलते बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी की मांग पर इसे सदन ने पास करने की जगह प्रवर समिति को भेजने का फैसला लेकर इसे फिलहाल ठंडे बस्ते में डाल दिया।

उत्तर प्रदेश में कड़े फैसले लेने के लिए मशहूर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा लिया गया यह निर्णय सही जरूर प्रतीत होता है, परंतु जिस तरह इस विधेयक का विरोध उन्हीं की पार्टी द्वारा किया जा रहा है, तो ऐसी उम्मीद की जानी चाहिए कि आने वाले समय में शायद कुछ संशोधन के साथ इसे पुनः पेश किया जाए।

उल्लेखनीय है कि जिस भी जमीन का कोई वारिस न हो और वो सरकार के अधीन हो, उसे नजूल जमीन कहते हैं। गौरतलब है कि औपनिवेशिक शासन में अंग्रेजों द्वारा भारत में बड़ी संख्या में जमीनों पर कब्जा किया गया था, लेकिन आजादी के बाद जिस भी नागरिक के पास उसकी जमीन के दस्तावेज थे उन्हें उनकी जमीन वापस मिल गई, परंतु ऐसी कई जमीनें थीं जिनकी मिल्कियत के प्रमाण या जीवित स्वामी उपलब्ध नहीं थे। ऐसी जमीनों को सरकार ने अपने पास रखा, जिसे नजूल जमीन कहा गया। आजादी के बाद इस नजूल जमीन पर यदि कोई रह रहा था तो उससे सरकार ने किराया वसूलना शुरू किया और उस जमीन को लंबे समय के लिए लीज पर देना शुरू कर दिया।

इसके बावजूद ऐसी कई नजूल जमीनें हैं जिन पर लोग अवैध कब्जा कर रह रहे हैं, परंतु जैसे ही उत्तर प्रदेश में नजूल संपत्ति अधिनियम पेश हुआ, तो सरकार ने इस बात को स्पष्ट कर दिया कि जिस–जिस नजूल जमीन पर लोग गैरकानूनी ढंग से रह रहे हैं या जिन नजूल जमीनों की लीज का किराया सरकार को नहीं दिया जा रहा, उस नजूल जमीन को उत्तर प्रदेश की सरकार वापस ले लेगी और इस भूमि को सरकारी विकास कार्य के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। योगी जी द्वारा उठाया गया ये कदम सही था, परंतु विपक्ष को इस बात पर शक है कि विकास कार्य के नाम पर कहीं प्रदेश की लाखों करोड़ की हजारों एकड़ जमीन को अपने खास चुनिंदा लोगों के बीच बांट दिया जाएगा।

इतना ही नहीं भाजपा के विधायक भी इस अधिनियम के विरोध में उतर आए हैं। उनका कहना है कि प्रदेश में ऐसी कई जमीनें हैं जिन पर शागिर्द–पेशा वाले परिवार रह रहे हैं, जो सदियों से वहां रह रहे हैं, परंतु उनके पास कोई भी प्रमाण नहीं है। ऐसे में उनका क्या होगा? कई भाजपा विधायकों का तो यह भी कहना है कि एक तरफ तो प्रधानमंत्री आवास योजना से बेघर लोगों को घर दिए जा रहे हैं और वहीं दूसरी ओर जो गरीब दशकों से यहां रह रहे हैं उन्हें बेघर किया जा रहा है। तो भला ऐसे बिल का क्या औचित्य? जैसे ही इस अधिनियम पर राजनीति तेज हुई विपक्ष भी खुलकर सामने आया।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर इसका विरोध जताते हुए लिखा, ह्यनजूल लैंड का मामला पूरी तरह से ह्यघर उजाडनेह्ल का फैसला है क्योंकि बुलडोजर हर घर पर नहीं चल सकता है। जनता को दुख देने में भाजपा अपनी खुशी मानती है। जब से भाजपा आई है, तब से जनता रोजी–रोटी–रोजगार के लिए भटक रही है, और अब भाजपाई मकान भी छीनना चाहते हैं। क्या भू–माफियाओं के लिए भाजपा जनता को बेघर कर देगी? अगर भाजपा को लगता है कि उनका ये फैसला सही है तो हम डंके की चोट पर कहते हैं, अगर हिम्मत है तो इसे पूरे देश में लागू करके दिखाएं क्योंकि नजूल लैंड केवल यूपी में ही नहीं पूरे देश में हैह्ल देखा जाए तो इस अधिनियम के विरुद्ध हो रहे विवाद में भाजपा और विपक्षी नेताओं का एतराज सही है।

यदि सरकार को ऐसा अधिनियम लाना ही था तो उसे नजूल भूमि पर सदियों से बसे हुए परिवारों को पुनर्वास करने की योजना भी बनानी चाहिए थी। इसके हर पहलू पर गहन विचार के बाद ही इसे पेश किया जाना चाहिए था। चूंकि उत्तर प्रदेश और केंद्र दोनों ही जगह भाजपा की सरकार है तो योगी जी को प्रधानमंत्री मोदी से इस पर चर्चा करनी चाहिए थी। इसे भाजपा शासित किसी छोटे राज्य में लागू करना चाहिए था। इस अधिनियम को लाने से पहले सरकार द्वारा यहां पर बसे लोगों को पुनर्वास करने की योजना बना लेनी चाहिए थी।

सरकार को इन नजूल भूमि पर किए जाने वाले विकास कार्यों की सूची भी बना लेनी चाहिए थी। सरकार द्वारा नजूल भूमि पर अवैध रूप से पट्टे जारी करने वाले भ्रष्ट अधिकारियों को दंड देने का भी प्रावधान बनाना चाहिए था। यदि इन सब पहलुओं पर सरकार द्वारा नहीं सोचा गया तो ऐसा लगता है कि मुख्यमंत्री आदित्यनाथ को सलाह देने वाले अधिकारियों ने आनन–फानन में इस अधिनियम को पेश करवाया। देखना यह होगा कि आने वाले समय में प्रवर समिति इस अधिनियम पर क्या सुझाव देती है?

स्वतंत्रता का नव–चिंतन

प्रबुद्ध लोगों को अब अपनी मेधा यह समझने में लगानी चाहिए कि हमारा समाज आज किस हाल में है? आजादी के साथ देश ने जो लक्ष्य तय किए थे, उस यात्रा में हम आज कहां खड़े हैं? भारत अपनी आजादी की 78वीं सालगिरह बदले राजनीतिक माहौल में मना रहा है। इस कारण यह संभव हुआ है कि सामाजिक सरोकार रखने वाले लोग स्वतंत्रता और अधिकारों के बारे में नए सिरे से सोच सकें। गुजरा दशक एक तरफ बड़े दावों, हकीकत से इतर नैरेटिव्स, और उन कथानकों से जगी ऊंची उम्मीदों का रहा, तो दूसरी ओर संविधान प्रदत्त आजादियों पर पहरा एवं अधिकारों के संकुचन से समाज के एक बड़े तबके में भारत की पारंपरिक परिकल्पना को लेकर शक गहराता गया। जनमत का एक बड़ा हिस्सा सामुदायिक टूटन के अहसास से ग्रस्त रहा। लेकिन 2024 में अचानक चीजें बदलती हुई दिखी हैं। उस बदलाव की ताजा मिसाल इसी स्वतंत्रता दिवस के मौके पर आयोजित 'हर घर तिरंगा' अभियान बना है। यह आह्वान प्रधानमंत्री ने किया। तजुर्बा यह है कि पहले जब कभी नरेंद्र मोदी कोई ऐसा आह्वान करते थे, तो उस पर स्वतः–स्फूर्त एवं उत्साह प्रतिक्रिया होती थी। मगर इस बार कहानी उलटी रही है। सत्ताधारी भाजपा के समर्थक वर्ग तक में इसका खास असर नहीं दिखा। यही हश्र कांवड़ यात्रा के समय उत्तर प्रदेश में नाम की तख्तियां लगाने के आदेश या वक्फ बोर्ड कानून में संशोधन के बिल का भी हुआ है। ये सरकारी पहल समाज में भावावेश पैदा करने या सांप्रदायिक ध्रुवीकरण को और तीखा करने में नाकाम रही हैं। यह समाज–शास्त्रीय या राजनीतिक अध्ययन का विषय है कि माहौल में यह परिवर्तन क्यों और कैसे हुआ है। बहरहाल, इस बदलाव से राष्ट्रीय विमर्श को सकारात्मक दिशा देने की संभावना जरूर पैदा हुई है। प्रबुद्ध लोगों को अब अपनी मेधा यह समझने में लगानी चाहिए कि हमारा समाज आज किस हाल में है? आजादी के साथ देश ने जो लक्ष्य तय किए थे, उस यात्रा में हम आज कहां खड़े हैं? बेरोजगारी और महंगाई जैसी समस्याओं के साथ बढ़ती गई आर्थिक मुश्किलों के अलावा अब हमारे सामने ढहते इन्फ्रास्ट्रक्चर, सीमाई इलाकों की सुरक्षा में लगती सेंध, लीक होते परीक्षा के पेपर, खेलों में फिसड्डी रहने जैसी हकीकतें भी हैं। इनसे निकलने का रास्ता क्या है, इन प्रश्न पर चर्चा शुरू कर हम स्वतंत्रता दिवस को अधिक सार्थक बना सकते हैं।

युद्ध का समय नहीं

यह महज संयोग है कि जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मास्को में रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन और वियना में ऑस्ट्रिया के चांसलर कार्ल नेहमर के साथ वैश्विक शांति के लिए बुद्ध के उपदेशों पर चर्चा करते हुए अपनी बात को दोहरा रहे थे कि यह युद्ध का समय नहीं है, लगभग उसी समय वाशिंगटन में अमेरिका की अगुवाई वाले नाटो के सदस्य देश रूस–यूक्रेन के बीच जारी युद्ध में घी डालने का काम कर रहे थे। उनका विश्वास है कि रूस युद्ध का समर्थक है और उसने यूक्रेन पर आक्रमण किया है। इतना ही नहीं, रूस यूरोप सहित पूरी दुनिया की सुरक्षा के लिए चुनौतियां पेश कर रहा है। इसलिए नाटो देशों ने घोषणा की है कि अगले एक वर्ष के दौरान यूक्रेन को 40 अरब यूरो डॉलर की सैन्य सहायता दी जाएगी। फरवरी, 2022 से रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध चल रहा है जिसमें हजारों निदरेष नागरिक मारे गए हैं। यह सब जानते हुए भी अमेरिका और पश्चिमी देश रूस को चिढ़ाने का काम कर रहे हैं। अमेरिका यूक्रेन को अभी तक 50 अरब डॉलर से अधिक की सैन्य सहायता दे चुका है। हाल में उसने घोषणा की है कि वह 2026 में जर्मनी में लंबी दूरी की मिसाइलें तैनात करेगा। इसका उद्देश्य रूस की चुनौतियों का सामना करना है। इसका स्पष्ट मतलब है कि अमेरिका और पश्चिमी देश नहीं चाहते कि शांति वार्ता की मेज पर एक साथ बैठ कर विमर्श करें। राष्ट्रपति पुतिन इस संकेत से अनजान नहीं हैं। शायद इसीलिए उन्होंने पिछले महीने स्विटजरलैंड में आयोजित यूक्रेन शांति सम्मेलन में शामिल होने से इंकार कर दिया। पश्चिमी देश पुतिन को आक्रमणकारी और रक्त पिपासू ठहराते हैं लेकिन यह सच नहीं है। वस्तुतः यूक्रेन को नाटो का सदस्य बनाने की घोषणा के कारण पुतिन को अपने पड़ोसी पर हमला करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

महिलाओं से संबंधित समस्या का समाधान

नुपूर डी. पाण्डेय

महीने के वे दिन, कई बार इससे ज्यादा कहने की जरूरत नहीं होती। जब से से एक लडक़ी का मासिक धर्म शुरू होता है, उसी समय से उसके दायरे भी तय होने शुरू हो जाते हैं।

बड़े होते–होते अक्सर हर महिला अपने आप को उन मापदंड पर आंकती है जो उसके लिए समाज तय करता है। सबसे दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि महिलाओं से संबंधित समस्या का समाधान अक्सर हमारे समाज के पुरुष वर्ग करते हैं। यह किसी फेमिनाजी सोच का हिस्सा नहीं है बल्कि सदियों से चली आ रही रूढ़िवादिता की सच्चाई है। हम एक पितृसत्तात्मक समाज हैं और वर्षो से हमारी मानसिकता, महिलाएं इस प्रतिस्पर्धी दुनिया में खुद को साबित करने की होड़ में है।

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया की वह मासिक धर्म अवकाश नीति (रूद्गठ्ठह्यह्लह्वड्डद्य रुद्गड्ड1द्ग क्कशद्यद्बष्4) पर दुबारा सोचे क्योंकि उनको यह आशंका है कि ऐसी नीति कंपनियों द्वारा पसंद नहीं की जा सकती है। कोर्ट का यह मानना है की आने वाले समय में यह महिलाओं के लिए और मुश्किल खड़ी कर सकता है। इसके बारे में मैंने कार्यरत महिलाओं से उनकी राय पूछी और मुझे मिलीजुली प्रतिक्रिया मिली। कुछ ने कोर्ट के इस फैसले का समर्थन किया और कुछ और ने जोर–शोर से मासिक धर्म अवकाश को अपनी जरूरत बताया। मुझे हैरानी तब हुई जब कुछ महिलाओं ने मासिक धर्म अवकाश का विरोध भी किया। उनका मानना यह था कि लोग इसका फायदा उठाएंगे। फायदा उठाने का मतलब दो परिप्रेक्ष्य से देखा जा सकता है– एक जिन महिलाओं के लिए यह नियम निकल रहा है वह शायद बिना जरूरत के भी इसको छुट्टी मनाने के लिए इस्तेमाल करेंगी और दूसरा संस्थाएं इसको बहाना बना कर महिलाओं को काम पर ना रखने की एक और वजह ढूंढ लेंगे।

चलिए इससे पहले कि मैं अपनी राय इस बारे में दूं कुछ तथ्य देख लेते हैं–

? वर्ल्ड इकनोमिक फोरम की वैश्विक लैंगिक अंतर रिपोर्ट 2021 से पता चलता है कि लैंगिक समानता हासिल करने में 135.6 साल और लगेंगे। वैसे ही अभी के आकड़ों के अनुसार पुरुषों की कमाई के हर डॉलर पर महिलाओं को 84 सेंट मिलते हैं और कार्यबल में उनकी भागीदारी कम है ।? अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देखें तो स्पेन, जापान और इंडोनेशिया सहित कई देश मासिक धर्म अवकाश प्रदान करते हैं, स्पेन सशुल्क अवकाश प्रदान करने वाला पहला यूरोपीय देश है।? भारत में जोमैटो और स्विगी जैसी कंपनियों ने मासिक धर्म अवकाश नीतियां शुरू की हैं, जबकि बिहार और केरल ने राज्य–स्तरीय नीतियां लागू की हैं। केरल विश्वविद्यालय छात्राओं के लिए मासिक धर्म अवकाश भी प्रदान करता है।यह तथ्य क्यों जरूरी है? ऐसा माना जा रहा है अनिवार्य मासिक धर्म अवकाश कंपनियों को महिलाओं को काम पर रखने से और हतोत्साहित कर सकता है। मासिक धर्म वाली महिलाओं के लिए 'विशेष दर्जा' की पुष्टि करने से उस सामाजिक सोच को बल मिल सकता है जो मासिक धर्म को महिलाओं की कमजोरी की तरह देखता है।जब महिलाओं से पूछा गया कि क्या मासिक धर्म अवकाश उनकी सहायता करेगा, काफी महिलाएं इसके समर्थन में थी। कारण साफ था कि वह भुक्तभोगी हैं। मासिक धर्म के दौरान किस तरह की परेशानिया होती है इसका उनको अच्छे से आभास था। इसमें एक और बात ध्यान देने योग्य है–हर महिला को एक ही तरह का अनुभव नहीं होता। बेंगलुरू की डॉ. प्रेमलता का कहना है, 'अच्छा सुझाव है, लेकिन जैसा कि आप सभी जानते हैं, यह सभी महिलाओं के लिए समान नहीं है। समय, प्रवाह, अवधि, दर्द आदि। गर्भवती महिलाएं इसका उपयोग नहीं कर सकती हैं, रजोनिवृत्त महिलाएं, शल्य चिकित्सा या अन्य इसका उपयोग नहीं कर सकती हैं। वैकल्पिक छुट्टी बेहतर हो सकती है। आईटी कर्मचारी मानसी (बदला हुआ नाम) ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह जरूरी है। मुझे बहुत ज्यादा रक्तस्राव और कमजोरी और चक्कर आते हैं। हमेशा से मेरी इच्छा रही है कि महिलाओं के लिए महीने में कम–से–कम एक दिन की छुट्टी होनी चाहिए। इसके बजाय यह मासिक वैकल्पिक छुट्टी होनी चाहिए। जिन लोगों को इसकी जरूरत है वे इसे ले सकते हैं और जिन्हें इसकी जरूरत नहीं है वे काम करना जारी रख सकते हैं।'भार्गवी (बदला हुआ नाम) ने इस पर एक नियोक्ता की दृष्टि से अपनी राय दी। 'नियोक्ता के दृष्टिकोण से, कल्पना करें कि महीने में 1 या 2 अवकाश देने से साल में 12 से 24 छुट्टियां हो जाएंगी। साल में 96 से 192 उत्पादक घंटों का नुकसान। वे शायद किसी पुरुष कर्मचारी को काम पर रखना पसंद करें। इसे कम करने से महिला कर्मचारियों को काम पर रखने के उनके फैसले प्रभावित हो सकते हैं। या फिर उन्हें उसी पद के लिए कम पैकेज देकर मुआवजा देने का एक और कारण मिल सकता है। सौ बात की एक बात, महिलाओं को मासिक धर्म अवकाश की जरूरत है। वह यह भी समझ रही हैं कि शायद इसका दुरुपयोग भी हो सकता है, लेकिन मैं जब इस पूरे मुद्दे को देखती हूं तो मुझे ऐसा प्रतीत होता है कि हम कितने भी आधुनिक हो जाएं, जाने–अनजाने हमारी सोच पुरातन ही रहती है। मेरा मानना है कि यह सही दिशा में उठाया गया कदम है। समावेशिता का मतलब अपने को पुराने नियमों के अनुसार चलाना या फिर अपने को पुरानी मानसिकता के अनुरूप ढालना नहीं है; इसका मतलब है पुरानी नियम पुस्तिका को हटा कर नए नियम बनाना। जो दायरे महिलाओं के लिए तय दे उनको हर रोज चुनौती देने के बजाय, वह ढर्रा ही मिटा देना।

हमें अगर महिलाओ को वाकई अपने कार्यक्षेत्र का हिस्सा बनाना है, तो बहाने बनाने बंद करने होंगे। कोविड के बाद काम करने के तौर–तरीकों में काफी बदलाव आया है, लेकिन तरीकों से ज्यादा सोच बदली है।

स्त्री 2 100 करोड़ की ओर, खेल खेल में और वेदा की हालत और खस्ता

स्वतंत्रता दिवस के मौके पर स्त्री 2, खेल खेल में और वेदा ये 3 हिंदी फिल्में सिनेमाघरों में आईं।जहां स्त्री 2 ने पहले ही दिन बॉक्स ऑफिस पर धमाका किया और यह इस साल की पहले दिन सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी, वहीं अक्षय कुमार की खेल खेल में दूसरे दिन भी बॉक्स ऑफिस पर खेल करने से चूक गई।उधर वेदा भी स्त्री 2 के आगे घुटनों पर नजर आ रही है।

स्त्री 2 ने रिलीज होते ही बड़ा धमाका कर दिया है। 15 अगस्त को रिलीज हुई फिल्म ने ओपनिंग डे पर 51 करोड़ रुपये कमाए थे, वहीं अब दूसरे दिन भी इसका डंका बज रहा है।सैकनिल्क के मुताबिक, इस फिल्म ने दूसरे दिन 30 करोड़ की कमाई की। 16 अगस्त को छुट्टी न होने के कारण कमाई गिरी जरूर, लेकिन अब भी यह काफी मजबूत स्थिति में है।फिल्म महज 2 दिन में 90.30 करोड़ रुपये कमा चुकी है। स्त्री 2 साल 2018 में आई इसी नाम की फिल्म का सीक्वल है, जिसमें श्रद्धा कपूर, राजकुमार राव के अलावा विजय राज, पंकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी, अपारशक्ति खुराना और तमन्ना भाटिया भी हैं।जहां प्रीक्वल में चंदेरी गांव स्त्री के आतंक से परेशान था, वहीं स्त्री 2 में अब सरकटे का आतंक है।दर्शकों को स्त्री 2 ने अपना दीवाना बना लिया है। वे इसकी कहानी से लेकर इसके कलाकारों तक की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। अक्षय, वाणी कपूर, तापसी पन्नू, एमी विर्क, प्रज्ञा जायसवाल और आदित्य सील की फिल्म खेल खेल में पहले दिन उम्मीद के मुकाबले कमाई करने में नाकाम रही। ओपनिंग डे पर फिल्म ने 5.05 करोड़ रुपये की कमाई की थी।

सबालेंका ने जीता सिनसिनाटी ओपन खिताब

सिनसिनाटी (यूएसए), आर्यना सबालेंका ने सिनसिनाटी ओपन के फाइनल में जेसिका पेगुला को हराकर जनवरी के ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद अपना पहला खिताब हासिल किया। बेलारूसी खिलाड़ी ने अपना प्रभावी प्रदर्शन करते हुए केवल 76 मिनट में 6–3, 7–5 से जीत हासिल की, जो उनके करियर का 15वां खिताब और डब्ल्यूटीए 1,000 स्तर पर उनका छठा खिताब है। इस जीत से अमेरिकी पेगुला की नौ मैचों की जीत का सिलसिला समाप्त हो गया, जिसने हाल ही में अपने कनाडाई ओपन खिताब का बचाव किया था। सबालेंका, जो जल्द ही दुनिया की नई नंबर दो खिलाड़ी बन जाएंगी, ने मैच पर जल्दी ही नियंत्रण कर लिया, चौथे गेम में पेगुला की सर्विस तोड़ दी और पहला सेट अपने नाम कर लिया।

डैरियस वीसे ने तोड़े कई टी20 रिकॉर्ड, एक ओवर में बनाए 39 रन

आपिया (समोआ), क्रिकेट जगत में रोजाना नए रिकॉर्ड बनते और टूटते रहते हैं। इस लिस्ट में अब समोआ के डैरियस वीसे का नाम भी जुड़ गया है।समोआ के बल्लेबाज डैरियस वीसे ने वनुआतु के खिलाफ टी 20 वर्ल्ड कप ईस्ट एशिया–पैसिफिक् रीजन क्वालिफायर मुकाबले में एक ही ओवर में छह छक्के जड़ डाले, जिसकी बदौलत एक ही ओवर में उनकी टीम के खाते में 39 रन जुड़ गए। यह टी20 इतिहास में एक ओवर में बनाए गए सर्वाधिक रन हैं और ऐसा करते हुए उन्होंने अब से पहले इस प्रारूप में पांच बार एक ओवर में बनाए गए 36 रनों के आंकड़े को पीछे छोड़ दिया। यह कीर्तिमान समोआ की पारी के 15वें ओवर में आया, जिसमें तीन नो बॉल भी शामिल थीं। डैरियस वीसे के इस शानदार ओवर ने न केवल कई रिकॉर्ड ध्वस्त किए, बल्कि समोआ को एक मजबूत स्कोर तक भी पहुंचाया। उनकी 132 रनों की पारी, जिसमें 14 छक्के शामिल थे – टी20 इतिहास में पांचवां सबसे बड़ा स्कोर। समोआ के अंतिम स्कोर 174 का 75.86 था, जो टी20 पारी में किसी एक बल्लेबाज द्वारा बनाए गए रनों के उच्चतम प्रतिशत का नया रिकॉर्ड है। इससे पहले पांच बार टी20 इतिहास में किसी टीम ने एक ही ओवर में 36 रन बनाए थे। 2007 में भारत के युवराज सिंह यह कारनामा करने वाले पहले बल्लेबाज बने थे, उन्होंने इंग्लैंड के स्टुअर्ट ब्रॉड के एक ओवर में छह छक्के जड़े थे। इसके बाद वेस्टइंडीज के पोलार्ड ने 2021 में श्रीलंका के खिलाफ और 2024 में नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी ने भी एक ही ओवर में छह छक्के जड़े। अन्य दो अवसरों पर एक ही ओवर में छह छक्के नहीं लगे थे लेकिन एक्स्ट्रा गेंदों की मदद से एक ओवर में टीम के स्कोर में 36 रनों की वृद्धि हुई थी।

बर्थ डे स्पेशल : जब अपने बोल्ड सीन्स देख मनीषा कोइराला के पैरों तले खिसकी जमीन, घबराकर कोर्ट से लगाई गुहार

हिंदी सिनेमा में अपनी खूबसूरती और बोल्ड अदाओं से लाखों दिलों को धडक़ाने वाली एक्ट्रेस मनीषा कोइराला को कौन नहीं जानता। उनका बॉलीवुड सफर काफी सुर्खियों में रहा। करियर में एक ऐसा दौर भी आया, जब उन्हें अपनी इज्जत की खातिर कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ा और अपनी ही फिल्म को रिलीज होने से रोकने की गुहार लगानी पड़ी। क्या था ये पूरा मामला!

मनीषा कोइराला ने नेपाली फिल्म से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने साल 1989 की नेपाली फिल्म फेरी भेटुला में एक छोटा रोल निभाया था, लेकिन बॉलीवुड में डेब्यू उन्होंने राजकुमार और दिलीप कुमार स्टारर में फिल्म सौदागर (1992) से की। इसमें उनका इलू इलू सॉन्ग काफी पसंद किया गया, जिसके बाद वह इलू इलू गर्ल के नाम से जानी गई।

इसके बाद उन्होंने पीछे मुडक़र नहीं देखा। 1942 ए लव स्टोरी में काम किया। वह फिल्म बॉम्बे, अग्नि सखी, गुप्त, खामोशी, दिल से और मन में भी नजर आईं। उन्होंने बॉलीवुड पर्दे पर कई हिट फिल्में दीं, लेकिन कुछ वक्त बाद फिल्म फ्लॉप होने लगी और वह डिप्रेशन में चली गईं। डिप्रेशन के चलते उन्हें शराब की लत गई, जिसका असर उनके करियर पर भी पड़ा। कई बड़े प्रोड्यूसर और डायरेक्टर उनके साथ काम करने में कतराने लगे। साल 2002 में उनके पास कोई काम नहीं था। इस बीच निर्देशक शशिलाल के नायर ने उन्हें ऐसी फिल्म का ऑफर दिया, जिसमें कई बोल्ड सीन्स थे। फिल्म की कहानी एक टीनएज लडक़े की थी, जिसको अपने से बड़ी उम्र की लडक़ी से प्यार हो जाता है और वह उसे पाने के लिए कुछ भी करने को तैयार होता है।

कोई काम न होने की वजह से मनीषा ने इस फिल्म के लिए हां कर दी। मूवी थी एक छोटी सी लव स्टोरी। शूटिंग पूरी होने के बाद जब मनीषा ने फिल्म का प्रिंट देखा तो वह हैरान रह गई।

मालविका मोहनन कार्थी स्टारर सरदार 2 में शामिल हुईं

सरदार 2 के पीछे प्रोडक्शन बैनर प्रिंस पिक्चर्स ने फिल्म के कलाकारों में मालविका मोहनन को शामिल करने की घोषणा की है। 2022 की कार्थी स्टारर सरदार की अगली कड़ी में कार्थी अपनी मुख्य भूमिका को फिर से निभाते हुए दिखाई देंगे, जिसमें पीएस मिथ्रन निर्देशक के रूप में वापसी करेंगे। एसजे सूर्या भी कलाकारों का हिस्सा हैं, जबकि राशि खन्ना और मुनीशकांत सहित बाकी मूल कलाकारों की अगली कड़ी के लिए पुष्टि होना बाकी है।

पहली फिल्म की तकनीकी टीम भी वापस आएगी, जिसमें जॉर्ज सी विलियम्स सिनेमैटोग्राफी संभालेंगे और दिलीप सुब्बारायन स्टंट निर्देशित करेंगे। हालांकि, युवान शंकर राजा संगीतकार के रूप में जीवी प्रकाश की जगह लेंगे और विजय वेलुकुट्टी एंटनी एल रूबेन से संपादन का काम संभालेंगे। राजकुमार पिक्चर्स के बैनर तले लक्ष्मण कुमार सरदार 2 का निर्माण कर रहे हैं।

स्टार क्रिकेटर युवराज सिंह पर बन रही है बायोपिक

मुंबई, पूर्व भारतीय क्रिकेटर और आईसीसी 2011 विश्व कप के हीरो युवराज सिंह पर बायोपिक बन रही है। अभी तक शीर्षक वाली यह फिल्म क्रिकेट में उनकी यात्रा और योगदान का एक भव्य जश्न मनाने का वादा करती है, जिसमें 2007 टी20 विश्व कप में 6 छक्कों की अविस्मरणीय लकीर और 2011 विश्व कप में उनका शानदार प्रदर्शन शामिल है, जिसके कारण भारत ने 28 साल बाद खिताब जीता था।

2000 में अपने अंतरराष्ट्रीय पदार्पण के बाद से, युवराज सिंह ने क्रिकेट पर एक अमिट छाप छोड़ी है। उन्होंने अपनी आक्रामक बाएं हाथ की बल्लेबाजी और शानदार फील्डिंग से प्रशंसकों का दिल जीत लिया। फिल्म के बारे में बात करते हुए युवराज ने कहा, मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं कि मेरी कहानी भूषण जी और रवि द्वारा दुनिया भर में मेरे लाखों प्रशंसकों को दिखाई जाएगी। सभी उतार–चढ़ाव के दौरान क्रिकेट मेरा सबसे बड़ा प्यार और ताकत का स्रोत रहा है। मुझे उम्मीद है कि यह फिल्म दूसरों को अपनी चुनौतियों से उबरने और अटूट जुनून के साथ अपने सपनों को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करेगी। अभी तक शीर्षक वाली इस फिल्म का निर्माण भूषण कुमार और रवि भागचंदका द्वारा किया गया है, जो सचिनः ए बिलियन ड्रीम्स और सितारे ज़मीन पर के लिए जाने जाते हैं। क्रिकेटर की यात्रा उसकी क्रिकेट उपलब्धियों से आगे तक फैली हुई है। 2011 में, युवराज सिंह को कैंसर का पता चला था, लेकिन उन्होंने विश्व कप में अपने देश के लिए खेलना जारी रखा और अपने शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें टूर्नामेंट का खिलाड़ी घोषित किया गया। उनकी साहसी लड़ाई और उसके बाद 2012 में क्रिकेट में वापसी ने उल्लेखनीय लचीलेपन का प्रदर्शन किया और विश्व स्तर पर लाखों लोगों को प्रेरित किया।

एक नजर

कुलदीप कुमार बनें अध्यक्ष

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : ठेकेदार संघर्ष नगर निगम कोटद्वार की नवीन कार्यकारणी का गठन करते हुए कुलदीप कुमार को अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी गई। इस दौरान ठेकेदारों की समस्या को लेकर संघर्ष कर रही पर्वतीय ठेकेदार संघ को समर्थन भी दिया गया।

मंगलवार को आयोजित बैठक में अध्यक्ष कुलदीप कुमार, सचिव राजपाल सिंह असवाल, कोषाध्यक्ष पंकज चौधरी, उपाध्यक्ष सुदर्शन सिंह भंडारी व रविंद्र बिष्ट को चुना गया। इस मौके पर भास्कर बड़थ्वाल, धीरज रावत, राजपाल सिंह, महेश चंद्र, पूरण रावत, धनश्याम प्रजापति, विपिन बिष्ट आदि मौजूद रहे।

विद्यासागर स्मृति सम्मान के लिए 10 सितम्बर तक करें पंजीकरण

श्रीनगर गढ़वाल : सेव हिमालय मूवमेंट ट्रस्ट द्वारा आयोजित विद्यासागर नौटियाल स्मृति सम्मान 2024 इस वर्ष समग्र साहित्य के क्षेत्र में दिया जाएगा। यह सम्मान उल्लेखनीय साहित्य, कथेत्तर, जन संघर्ष, हर प्रकार के भेदभाव का प्रतिकार व समाज की चेतना को उन्नत बनाता हो को दिया जायेगाद्ध सामाजिक क्षेत्र में यह पुरस्कार आंदोलनकारी, पत्रकार, सामाजिक कार्यकर्ता, उल्लेखनीय कार्य, जन पक्षीय मुद्दों पर संघर्ष, सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ संघर्ष इत्यादि पर दिया जायेगा।

सेव हिमालय मूवमेंट ट्रस्ट के अध्यक्ष समीर रतूड़ी ने बताया कि विद्यासागर नौटियाल स्मृति सम्मान समारोह प्रत्येक वर्ष 29 सितम्बर को आयोजित किया जाता है। कहा कि साहित्य सम्मान का चयन प्रक्रिया नामांकन के तहत किया जाएगा। जिसके लिये नामांकन की अंतिम तिथि 10 सितम्बर है।

कहा कि इस वर्ष यह सम्मान समग्र साहित्य के क्षेत्र में दिया जाएगा। पंजीकरण किये गये नामों को चयन समिति अवलोकन कर इस साल के सम्मान के लिये नाम का चयन करेगी। चयन समिति में सुभाष पंत, हम्माद फारुकी, दिनेश कर्नाटक, धीरेन्द्र तिवारी, जीतेन भारती, राजेश सकलानी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इस बार पुरस्कार की राशि 21 हजार से बढ़ा कर 31 हजार कर दी गयी है। (एजेंसी)

भीख न मांगने की सख्त हिदायत दी

श्रीनगर गढ़वाल : श्रीनगर पुलिस ने कोतवाली क्षेत्र में भिक्षावृति में लिप्त बच्चों और उनके परिजनों को चिन्हित करते हुए काउंसलिंग कर भीख न मांगने की सख्त हिदायत दी है। वरिष्ठ उपनिरीक्षक सुनील रावत ने बताया कि एसएसपी पौड़ी के निर्देशन पर श्रीनगर क्षेत्र में भीख मांग रहे बच्चों और उनके परिजनों को चिन्हित कर महिला थाना श्रीनगर में काउंसलिंग की गई है। बताया कि बच्चों के परिजनों से अपने बच्चों को स्कूल भेजने के लिये कहा गया है। साथ ही बच्चों से भविष्य में भीख मंगवाने पर अभिभावकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई किये जाने की चेतावनी दी गई है। (एजेंसी)

छात्रों ने रैली निकालकर मांगा न्याय

नई टिहरी : धर्मानंद राजकीय महाविद्यालय नरेंद्रनगर के छात्र-छात्राओं ने प्रदेश की राजधानी देहरादून में युवती के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म और कोलकाता में महिला रेजिडेंट डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या के खिलाफ रैली निकालकर रोष जताया।

छात्र-छात्राओं ने हाथों में तख्ती लेकर नगर के बस अड्डे से तहसील भवन तक रैली निकालकर सरकारों के खिलाफ नारेबाजी की। छात्र-छात्राओं ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी सजा की मांग करते हुए पीड़िताओं और उनके परिजनों के लिए न्याय मांगा। रैली में मानवेंद्र भंडारी, नितिन भंडारी, रोहित भंडारी, मोनिका नेगी, सलोनी थपलियाल, प्रिया धमन्दा, तनवीर आदि शामिल रहे। (एजेंसी)

ट्रक सड़क पर पलटा, चालक घायल

श्रीनगर गढ़वाल : ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर सिरोबगड़ के पास मंगलवार को सब्जी से भरा ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में ट्रक चालक घायल हो गया।

कोतवाली प्रभारी निरीक्षक होशियार सिंह पंखोली ने बताया कि मंगलवार को सुबह सात बजे के करीब श्रीनगर से रुद्रप्रयाग की ओर जा रहा सब्जी का ट्रक सिरोबगड़ में अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया।

बताया कि घटना में चालक पर हल्की चोट आयी है। (एजेंसी)

राखी पर नानी के घर आया था मासूम, आंगन से उठा ले गया गुलदार

रिखणीखाल विकासखंड के अंतर्गत गुठेरथा ग्राम पंचायत के तोक गांव कोटा की घटना

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : रिखणीखाल विकासखंड के अंतर्गत गुठेरथा ग्राम पंचायत के तोक गांव कोटा में एक पांच साल के बच्चे को गुलदार ने अपना निवाला बना दिया। बच्चा अपनी मां के साथ नानी के गांव रक्षाबंधन मनाने के लिए पहुंचा था। घटना के बाद से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। ग्रामीणों ने जंगल से बच्चे के शरीर के कटे हुए अंग बरामद किए। घटना के बाद से ग्रामीणों में आक्रोश बना हुआ है।

कोटा गांव के निवासी भारत सिंह की बेटी अर्चना देवी का विवाह विकासखंड के उनेरी गांव में हुआ है। रक्षाबंधन पर्व पर वह सोमवार सुबह अपने पांच साल के बेटे आदित्य को लेकर अपने मायके कोटा गांव आई। दिन भर पूरे परिवार और गांव वालों के साथ उन्होंने उत्साह के साथ राखी का पर्व मनाया। देर शाम करीब सात बजे घर के पास घात लगाकर बैठे गुलदार ने बच्चे पर हमला कर दिया और जबड़े में दबोचकर उसे झाड़ियों में ले गया। घटना की सूचना ग्रामीणों ने लैंसडौन की तहसीलदार शालिनी मौर्य को दी। उन्होंने रिखणीखाल के थानाध्यक्ष संतोष कुमार को घटनास्थल के लिए रवाना करवाया। देखते ही देखते आसपास के सैकड़ों लोग बच्चे की तलाश में जुट गए। ग्रामीणों ने बताया कि सोमवार सुबह अर्चना का पति देवेंद्र सिंह उन्हें अपने वाहन से कोटा गांव के मुख्य मार्ग पर छोड़ गया था। मंगलवार सुबह उन्हें वापस उनेरी गांव लौटना था। देर शाम बच्चे के शरीर के कटे हुए अंग गांव के समीप जंगल से बरामद हुए। घटना के बाद से ग्रामीणों में दहशत बनी हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव के पास काफी दिनों से एक गुलदार दिखाई दे रहा था। सोमवार को घटना से करीब आधा घंटा पहले भी गांव लौट रहे ग्रामीणों को रास्ते में गुलदार दिखा था। देवियोखाल और गुठेरथा क्षेत्र में गुलदार के हमले की यह पहली घटना है।

आंगन में खेल रहा था बच्चा

गुलदार बच्चे को उस समय उठाकर ले गया जब वह घर के आंगन में खेल रहा था। जब बच्चे को गुलदार द्वारा उठाए जाने का पता परिजनों को चला तो वह ग्रामीणों के साथ मिलकर उसकी तलाश करने लगे।

घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल बना हुआ है। ग्रामीणों ने वन विभाग से गुलदार को कैद करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में घूम रहे गुलदार के बारे में वह कई बार वन विभाग को भी सूचित कर चुके हैं। लेकिन, समस्या को गंभीरता से नहीं लिया गया।

घरों में कैद हुए ग्रामीण

घटना के बाद से ग्रामीणों में दहशत का महौल बना हुआ है। ग्रामीणों का घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है। शाम ढलते ही ग्रामीण घरों मे कैद हो रहे हैं। गुलदार की इस घटना से सबसे अधिक खतरा बच्चों व बुर्जुगों को बना हुआ है। घटना के बाद अभिभावकों का अपने बच्चों को स्कूल भेजना भी मुश्किल हो गया है।

वन विभाग ने लगाए पिंजरे व कैमरे

घटना के बाद मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने गुलदार को पकड़ने की कार्रवाई तेज कर दी है। घटनास्थल व उसके आसपास के क्षेत्र में पिजरें लगाए जा रहे थे। साथ ही कैमरे भी लगाए गए हैं। गांव में वन विभाग की टीम भी तैनात की गई है। गुलदार की तलाश से लिए वन विभाग की टीम भी क्षेत्र में गश्त कर रही है।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर फिर गिरे बोल्डर, चुनौती बना आवागमन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : हल्की बारिश में ही कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग चुनौती खड़ी कर रहा है। हालत यह है कि मंगलवार सुबह हुई बारिश से सिद्धबली से आगे लालपुर के समीप पहाड़ी से भारी मलबा राष्ट्रीय राजमार्ग पर आ गया। इसके लिए राष्ट्रीय राजमार्ग पर करीब एक घंटे तक यातायात पूरी तरह बाधित रहा। नतीजा राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों ओर वाहनों का लंबा जाम लगा हुआ था।

बरसात के मौसम में राष्ट्रीय राजमार्ग लगातार चुनौती बन रहा है। जुलाई माह में दुर्गा माता मंदिर के समीप पहाड़ी का हिस्सा ढह कर राष्ट्रीय राजमार्ग पर आ गया था। हल्की वर्षा होने पर ही पहाड़ी से लगातार बोल्डर गिर रहे हैं। मंगलवार सुबह हुई बारिश के दौरान लालपुल से करीब पांच सौ मीटर पहले पहाड़ी से अचानक बड़े-बड़े पत्थर व बोल्डर गिरने लगे। राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग ने मौके पर पहुंचकर जेसीबी व पोकलैंड मशीनों से बोल्डर हटाने का कार्य प्रारंभ किया। इस दौरान सैकड़ों ऐसे वाहन भी थे, जो राष्ट्रीय राजमार्ग पर खड़े रहकर मार्ग साफ होने का इंतजार कर रहे थे। करीब साढ़े डेढ़ घंटे बाद जब बोल्डर हटा तब यातायात सुचारू किया गया।

देहरादून जिले को गढ़वाल मंडल से अलग करने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : नागरिक कल्याण एवं जागरूक विकास समिति ने शहर के विकास के लिए 9 सूत्रीय मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट परिसर के समीप हेमवती नंदन बहुगुणा मूर्ति स्थल पर धरना दिया। इस दौरान नागरिक कल्याण एवं जागरूक विकास समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि मंडल मुख्यालय पौड़ी में मंडलीय अधिकारी निर्देशों के बावजूद भी बैठने को तैयार नहीं हैं।

उन्होंने देहरादून जिले को गढ़वाल मंडल से अलग किए जाने की मांग की। जिससे मंडलीय अधिकारी अपने मुख्यालय में बने रहें।

मंगलवार को धरना देते हुए समिति के सदस्यों ने ल्वाली झील का निर्माण कार्य मानकों के अनुरूप पूरा करवाते हुए पुराने कार्यों की जांच, खाड्यूसैंण देवार के समीप एनसीसी अकादमी की स्थापना, सीता माता सर्किट स्थापना, मंडलीय कार्यालय का संचालन मंडल मुख्यालय से ही संचालित करने को लेकर की गई सीएम घोषणाओं को पूरा करने की मांग की।

इसके साथ ही पर्यटन मंत्री द्वारा धार्मिक पर्यटन सर्किट की स्थापना, गैस गोदाम का संचालन पूर्व की भांति जनपद मुख्यालय पौड़ी से ही संचालित करने की मांग की गई। कहा कि 9 सूत्रीय मांगों को लेकर केवल आश्वासन ही मिल रहा है। इस मौके पर नागरिक कल्याण एवं जागरूक विकास समिति के अध्यक्ष रघुवीर सिंह रावत, संरक्षक झबर सिंह रावत, सचिव गब्बर सिंह नेगी, महासचिव केदार सिंह गुसांई, अनीता रावत, प्रशांत नेगी, ठाकुर सिंह नेगी आदि मौजूद रहे।

ग्रास्टनगंज क्षेत्र में पेयजल किल्लत

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : ग्रास्टनगंज स्थित वार्ड नंबर एक में पिछले दो दिन से पेयजल संकट बना हुआ है। नतीजा, वार्डवासियों को पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। शिकायत के बाद भी जल संस्थान समस्या को लेकर गंभीरता नहीं दिखा रहा। ग्रास्टनगंज वार्ड नंबर एक में सिद्धबली के समीप स्थित नलकूप से पेयजल आपूर्ति की जाती है। लेकिन, पिछले दो दिन से नलकूप खराब होने के कारण क्षेत्र में पेयजल संकट गहराता जा रहा है। वार्डवासी राजेश थपलियाल, जयप्रकाश ध्यानी, संजय रावत, रतन सिंह भंडारी, गंगा राम देवरानी ने बताया कि नलकूप की मोटर दशकों पुरानी है। नतीजा, आए दिन मोटर खराब हो जाती है। नलकूप की मोटर बदलने के लिए वार्डवासी कई बार जल संस्थान व जनप्रतिनिधियों को शिकायत कर चुके हैं। लेकिन, अब तक इस ओर ध्यान नहीं दिया गया। पेयजल संकट से सबसे अधिक परेशानी घरों में अकेले रहने वाले बुजुर्गों को हो रही है। वार्डवासियों ने जल संस्थान से जल्द समस्या का निराकरण करने की मांग की है।

विधानसभा सत्र में उठाएंगे जंगली जानवरों के आतंक का मुद्दा

जयन्त प्रतिनिधि।

बच्चे के शव को लेकर पोस्टमार्टम के लिए कोटद्वार पहुंचे विधायक व ग्रामीण

कोटद्वार : रिखणीखाल विकासखंड के अंतर्गत गुठेरथा ग्राम पंचायत के तोक गांव कोटा में हुई गुलदार की घटना पर लैंसडौन विधायक दिलीप सिंह रावत ने दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने सरकार से गुलदार को मारने के आदेश देने की मांग की है। कहा कि वह इस मुद्दें को विधानसभा सत्र में भी उठाएंगे। जंगली जानवर ग्रामीणों के लिए मुसीबत बनते जा रहे हैं।

घटना के बाद बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए कोटद्वार लाया गया। जहां लैंसडौन विधायक दिलीप सिंह रावत ने घटना पर दुःख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पलायन की मार झेल रहे पहाड़ पर अब जंगली जानवरों का भी साया मंडराने लगा है।

आए दिन गुलदार द्वारा ग्रामीणों को निवाला बनाने की घटनाएं सामने आ रही है। कहा कि पहाड़ में ग्रामीण बड़ी त्रासदी में जी रहे हैं। कहीं न कहीं पहाड़ में हो रहे पलायन का मुख्य कारण जंगली जानवर भी हैं। कहा कि वह पहाड़ में लगातार बढ़ रहे जंगली जानवरों के आतंक का मुद्दा विधानसभा सत्र में भी उठाएंगे। वहीं, ग्रामीणों ने भी सरकार से गुलदार को मारने के आदेश देने की मांग की है। कहा कि यदि जल्द गुलदार को कैद कर मारा नहीं गया तो वह दोबारा इस तरह की घटना को अंजाम दे सकता है।

आईएचएमएस में किया पौधा रोपण, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

बीईएल रोड पर लगाए विभिन्न प्रजातियों के पौधे, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

जयन्त प्रतिनिधि।

पौधारोपण करते आईएचएमएस के छात्र व शिक्षक

कोटद्वार : इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पीटेलिटी मैनेजमेंट एंड साइंसेज (आईएचएमएस) कॉलेज प्रबंधन, प्राध्यापकों और छात्र छात्राओं ने 150 पौध रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

कालेज के मैनेजमेंट विभाग की ओर से आयोजित पौध रोपण कार्यक्रम का एमडी बीएस नेगी के पौधा रोपकर शुभारंभ किया। इसके बाद उनके मार्ग दर्शन में छात्र-छात्राएं और प्राध्यापक कालेज बीईएल रोड पर पहुंचे। उन्होंने सड़क के किनारे विभिन्न प्रकार के छायादार, फलदार और जड़ी बूटी के करीब 150 पौधों का रोपण किया। इस अवसर पर एमडी बीएस नेगी ने कहा कि पेड़ पौधों के बिना मानव जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। पेड़ पौधे हमें जीवन दयनी ऑक्सीजन देते हैं, जिससे जीव-जंतु जीवित रहते हैं। लेकिन, वर्तमान में जिस प्रकार पेड़ों को काटने का कार्य किया जा रहा है। जंगलों को काटकर वहां पर कंकरीट के भवन बन रहे हैं, जो पर्यावरण के लिए चिंताजनक है। पर्यावरण का संतुलन बिगड़ने के कारण आज प्राकृतिक आपदाएं आ रही हैं। धरती का तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है। गर्मी, सर्दी और बारिश पिछले सभी रिकार्ड तोड़ रही है। इसी प्रकार अगर पर्यावरण की उपेक्षा की गई तो भविष्य में इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। उन्होंने छात्र-छात्राओं और प्राध्यापकों से पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरुकता फैलाने की अपील की। इस अवसर पर डायरेक्टर एडमिन ले. कर्नल बीएस गुसाईं (सेनि), ईडी अजयराज नेगी, जनसंपर्क अधिकारी नरेश थपलियाल, प्रभारी डायरेक्टर एडमिन डॉ. अश्वनी शर्मा, कंप्यूटर साइंस एचओडी अनुराग सेमवाल, एओडी होटल मैनेजमेंट पंकज कुकरेती, प्रध्यापक सुरेंद्र जगवान, सुबोध केष्टवाल, आशुतोषधर द्विवेदी, प्रदीप भट्ट, ममता समेत सभी प्राध्यापक और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

गुलदार को नरभक्षी घोषित करने व परिजनों को मुआवजा देने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

रिखणीखाल उप तहसील में तहसीलदार को ज्ञापन देते कांग्रेसी

कोटद्वार : पर्वतीय क्षेत्रों में लगातार हो रहे गुलदार के हमलों पर कांग्रेस ने रोष व्यक्त किया है। सदस्यों ने प्रखंड रिखणीखाल के अंतर्गत तोक गांव कोटा में बच्चे को निवाला बनाने वाले गुलदार को नरभक्षी घोषित करने के साथ ही पीड़ित परिवार को पचास लाख रुपये मुआवजा देने की मांग उठाई। कहा कि जंगली जानवरों से ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए सरकार को गंभीरता से कार्य करना होगा।

मंगलवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रमोद रावत व पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष धीरेंद्र सिंह बिष्ट के नेतृत्व में सदस्यों ने तहसीलदार के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन दिया। बताया कि पहाड़ों में लगातार जंगली जानवरों के हमले की घटनाएं बढ़ती जा रही है। आए दिन गुलदार व अन्य जंगली जानवर पहाड़ के मासूमों को अपना निवाला बना रहे हैं। सोमवार को कोटा में छः वर्षीय बालक को गुलदार ने अपना निवाला बना दिया। काफी खोजबीन के बाद बालक का क्षत-विक्षिप्त शव बरामद किया गया। कहा कि एक साल में क्षेत्र में यह छठवीं घटना है, जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों ने गुलदार को नरभक्षी घोषित कर मारने के आदेश दिए जाने की मांग की है। कहा कि ग्रामीणों की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस मौके पर सुरजीत सिंह, धनवीर सिंह, नेत्र सिंह रावत, रघुवीर सिंह पटवाल, हीरा बिष्ट मौजूद रहे।

बीएड और पीजी में प्रवेश के लिए पंजीकरण शुरू

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि में शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए बीएड और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए पंजीकरण प्रक्रिया शुरू हो गयी है। गढ़वाल विवि में बीएड और पीजी प्रवेश परीक्षा में सम्मलित होने वाले छात्र-छात्राएं ही अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। गढ़वाल विवि ने एक जून को बीएड और 8 से 13 जुलाई तक स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित की थी। गढ़वाल विवि के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. महावीर सिंह नेगी ने बताया कि विवि में स्नातकोत्तर और बीएड में दाखिले के लिए पंजीकरण प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। बताया कि बीएड में प्रवेश और स्नातकोत्तर, स्नातकोत्तर डिप्लोमा, विधि स्नातक में प्रवेश के लिए छात्र-छात्राएं 26 अगस्त तक समर्थ पोर्टल पर अपना पंजीकरण कर सकते हैं।

मार्ग निर्माण की गुणवत्ता पर उठाए सवाल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : वॉर्ड नंबर 22 सिम्मलचौड़ के लोगों ने शांति देवी हीरालाल कॉलोनी में हुए मार्ग निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े किए हैं। कहा कि चंद दिनों में उक्त मार्ग बदहाल हो गया है।

मंगलवार को वार्डवासियों ने उपजिलाधिकारी सोहन सिंह सैनी को ज्ञापन दिया। बताया कि वार्ड नंबर 22 सिम्मलचौड़ में कुछ दिन पूर्व सीसी/टाइल्स मार्ग का निर्माण किया गया था। लेकिन, यह कार्य अत्यंत ही घटिया तरीके से किया गया है। चार अगस्त को जब कार्य चल रहा था तो वार्डवासियों ने इसकी सूचना नगर निगम को भी दी।

लेकिन, नगर निगम ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। नतीजा, कई स्थानों पर मार्ग का निर्माण इस तरह किया गया है कि बरसात का पानी घरों में घुस रहा है। जलभराव के कारण आमजन का सड़क पर पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। रास्ते में बिछाई गई टाइल्स भी टूट चुकी है।

ऐसे में बच्चों व बुजुर्गों के चोटिल होने का खतरा बना हुआ है। वार्डवासियों ने निर्माण कार्य की जांच करवाते हुए कार्रवाई करने की मांग की है। इस मौके पर अशोक सिंह, दीप प्रकाश, बीना राणा, अंजू रावत, अजीता देवी, विमला देवी, विकास कुमार आर्य, प्रमिला देवी, पार्वती देवी आदि मौजूद रहे।

बच्चों को आगे बढ़ने के लिए किया प्रेरित

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : सेंट जोसफ कांवेट स्कूल पदमपुर सुखरौ में अभिभावक अध्यापक बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान शिक्षकों व सदस्यों ने बच्चों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

बैठक की अध्यक्षता फादर जार्ज व संचालन शीतल कोटनाला ने किया। बैठक में ग्राम शिक्षा समिति के पर्व अध्यक्ष मनोज सिंह रावत ने कहा कि स्कूल प्रबंधन को खेलों को बढ़ावा देना चाहिए। बैठक में अभिभावक अध्यापक एसोशिएसन के गठन पर भी जोर दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि विद्यार्थियों को नशे से दूर रहकर अपने बेहतर भविष्य पर ध्यान देना चाहिए। इस मौके पर मस्तु भंडारी, शहनाज शम्शी, सुनीता देवी, अंजलि रावत, कल्पना रावत, सीमा भंडारी, जीवन सिंह टेक सिंह आदि मौजूद रहे।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/चर्तुथ द्वारा निम्नलिखित ई टेन्डर संख्या जिनके बन्द होने की तिथि व समय प्रत्येक सामने अंकित है। जो उसी दिन 16.00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निम्नलिखित टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते है। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशी का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होगा। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या: 139-DRM-MB-24-25, Dt. 20.08.2024	
कार्य का नाम: Hiring of truck and multi utility vehicle for miscellaneous work in connection with track maintenance/renewal in the section of Sr.DEN-IV/MB.	
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक: 12.09.2024	टेन्डर क्लोसिंग समय: 16:00 बजे
अनुमानित लागत: रु. 2,64,59,089.07	धरोहर राशि: रु. 2,82,300.00
कार्य पूर्ण करने की अवधि: 24 माह	बिडिंग आरंभ तिथि: 29.08.2024

टेन्डर न. Sr. DEN-IV/Publication/23-24, दिनांक 20.08.2024 2602/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

शिक्षक व शिक्षिका विवाद, अभिभावकों ने स्कूल नहीं भेजे बच्चें

एकेश्वर ब्लॉक के राइंकॉ बग्याली का मामला

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : विकासखंड एकेश्वर के राइंकॉ बग्याली में शिक्षिका से अभद्रता और स्कूल की अव्यवस्थाओं की जांच न होने के विरोध में स्कूल अभिभावक संघ के आह्वान पर मंगलवार को अभिभावकों ने अपने बच्चों को स्कूल नहीं भेजा। जिस कारण दिनभर स्कूल में सन्नाटा पसरा रहा। अभिभावकों का कहना है कि जब तक प्रधानाचार्य और आरोपी शिक्षक को स्कूल से नहीं हटाया जाएगा तब तक वह बच्चों को स्कूल नहीं भेजेगें। कहा कि पूर्व में भी स्कूल की अव्यवस्थाओं के लेकर शिकायत की थी, लेकिन इस ओर ध्यान नहीं दिया गया। जिस कारण अभिभावकों में रोष व्याप्त है।

बीते शनिवार को राजकीय इंटर कॉलेज बग्याली में एक शिक्षिका ने स्कूल के एक शिक्षक पर हाथापाई और अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाया था। शिक्षिका ने खंड शिक्षा अधिकारी से इसकी लिखित शिकायत करके कार्रवाई की मांग की थी। स्कूल की प्रबंधन समिति, अभिभावक संघ और ग्राम प्रधान समेत ग्रामीणों ने भी मामले में खंड शिक्षा अधिकारी के माध्यम से जिला शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन भेजकर प्रधानाचार्य और आरोपी शिक्षक को स्कूल से हटाने की मांग की थी। साथ ही कहा है कि दोनों के हटने तक वे अपने बच्चों को स्कूल नहीं भेजेंगे। मंगलवार को अभिभावक संघ के आह्वान पर किसी भी अभिभावक ने अपने बच्चों को स्कूल नहीं भेजा। एसएमसी की अध्यक्ष सीमा धस्माना का कहना है कि स्कूल की तमाम अव्यवस्थाओं को लेकर कई बार स्कूल प्रशासन से शिकायत की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। वहीं अभिभावकों ने कहा कि खंड शिक्षा अधिकारी स्वयं आकर मामले का संज्ञान लेंगे तो ही वे बच्चों को स्कूल भेजेंगे। इधर, खंड शिक्षा अधिकारी गुंजन अमरोही ने कहा कि मामले की जांच जारी है। प्रधानाचार्य से आख्या मांगी गई है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों को स्कूल भेजने की अपील की है।

।। कार्यालय :- नगर निगम कण्वनगरी कोटद्वार (पौड़ी गढ़वाल) ।।

पत्रांक :- 1444 /कर अनु0/भव0ना0/2024-25 दिनांक :- 16.08.2024

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्न व्यक्ति/व्यक्तियों द्वारा नगर निगम कोटद्वार के भवन कर अभिलेखों पूर्व भवन स्वामी के स्थान पर अपना नाम दर्ज करने हेतु स्वामित्व प्रमाण पत्रों एवं शपथ पत्र आदि के आधार पर आवेदन किया गया है।

अतः नगर निगम अधिनियम-1959 की धारा 213(ख) के अन्तर्गत समस्त प्रभावित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि जिस किसी को निम्न नामान्तरण/नामान्तरणों पर आपत्ति हो वह मय साक्ष्यों को उपरोक्त सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन की तिथि से 30 दिवस भीतर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। मियाद समाप्त होने पर उपलब्ध अभिलेखिया साक्ष्यों के आधार पर सम्पत्ति के नामान्तरण हेतु निर्णय पारित कर लिये जायेंगें।

क्र0 सं0	सम्पत्ति संख्या एवं मौहल्ले/वार्ड का नाम	भवन कर अभिलेखों में दर्ज नाम (नाम जो निरस्त होना है)	आवेदक का नाम व पता (नाम जो दर्ज होना है)	सम्पत्ति का स्वामित्व प्राप्त करने का आधार
1	2	3	4	5
1	395/380 कालाबड वार्ड नं 12	श्री सोमप्रकाश बलोधी पुत्र स्व0 रामप्रसाद बलोधी	श्री दिनेशचन्द्र बलोधी पुत्र स्व0 रामप्रसाद बलोधी	रजिस्ट्री, खाता-खतौनी, मा0 न्यायालय असिटेन्ट क्लैक्टर प्रथम श्रेणी के आदेश की प्रति एवं शपथ पत्र

सहायक नगर आयुक्त
नगर निगम कण्वनगरी कोटद्वार।
(0374/51)

एक नजर

गौरीकुंड से रामबाड़ा तक हल्का मोटर मार्ग बनाने की मांग

रूद्रप्रयाग : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को भेजे ज्ञापन में व्यापार मंडल के पूर्व अध्यक्ष, जिला परिषद और बीकेटीसी के पूर्व सदस्य प्रदीप बगवाड़ी, जिला उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश महामंत्री चन्द्रमोहन सेमवाल ने कहा कि केदारनाथ क्षेत्र आपदाओं से घिरा है, जिससे यहां केदारनाथ यात्रा प्रभावित रहती है। इस स्थिति से निपटने के लिए सरकार कार्यरत है। वर्चुअल संबोधन के बाद सीएम को भेजे ज्ञापन में कहा कि कई मांगे हैं जिन पर कार्यवाही होनी जरूरी है। जिससे आपदा और समस्याओं से जनता को न जूझना पड़े। इसके लिए सोनप्रयाग से गौरीकुण्ड को नदी के किनारे-किनारे पुल निर्माण कर जोड़ा जाए। (एजेंसी)

डांग तल्ला और ग्वालगांव को ग्राम पंचायत बनाने की मांग

नई टिहरी : ग्राम पंचायत डांग तल्ला के ग्रामीणों ने मंगलवार को डीएम मयूर दीक्षित को ग्राम सभा पुर्नगठन के लिए प्रस्ताव सौंपा। जिसमें डीएम से मांग की गई कि ग्राम पंचायत डांग तल्ला को दो पृथक ग्राम पंचायतों डांग तल्ला व ग्वालगांव में पुर्नगठित किया जाय। ग्राम पंचायत डांग तल्ला में ग्राम पंचायत डांग तल्ला के राजस्व ग्राम डांग तल्ला, डांग मल्ला व महर गांव और ग्वालगांव में खर्क भेंडी व ग्वालगांव के साथ किरगिणी से राजस्व ग्राम नैलबणी एवं बनकोट व गुणेथ तोक को सम्मिलित किया जाय। इससे ग्राम सभावासियों को सुविधा होगी। ग्राम सभा की खुली बैठक का प्रस्ताव डीएम को इस बाबत सौंपा गया। (एजेंसी)

कृष्ण कार्निवाल में महिलाओं को किया जाएगा सम्मानित

देहरादून। 25 अगस्त को रिस्पना पुल स्थित एक होटल में कृष्ण कार्निवल का आयोजन किया जाएगा। इसमें उत्कृष्ठ कार्य करने वाली महिलाओं का सम्मान भी होगा। आयोजन रिया बहुगुणा, नवदीप कौर और प्रिया गुलाटी ने मंगलवार को प्रेस क्लब में आयोजित कार्यक्रम में कार्निवल की जानकारी दी। उन्होंने बताया कृष्ण कार्निवल जन्माष्टमी के अवसर पर आयोजित किया जा रहा है। 25 अगस्त को दिन छोटी जन्माष्टमी है। उन्होंने बताया कि इस दौरान महिलाओं को लेडी आफ लिगसी अवार्ड प्रदान किया जाएगा। इसमें विभिन्न क्षेत्रों से उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को चुना जाएगा। इस दौरान जन्माष्टमी थीम पर एक एक प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी। शाम के सत्र में कृष्णा रासलीला का आयोजन होगा। जिसमें कृष्ण एवं राधा बनकर आए बच्चों को भी उपहार देकर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का मकसद ऐसी महिलाओं को सामने लाना है जो अपने–अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रही हैं।

दून पुस्तकालय में बच्चों ने देखी फाइंडिंग निमो फिल्म

देहरादून। दून पुस्तकालय एवं शोध केंद्र में मंगलवार को बाल पुस्तकालय के बच्चों के लिए फिल्म फाइंडिंग निमो प्रदर्शन किया गया। यह फिल्म 2003 में बनी एक एनिमेटेड फिल्म है, जिसमें निमो नाम की मछली अपने पिता से बिछड़ जाती है। एक पिता और बेटे के आसपास घूमती ये कहानी पिता–पुत्र के संबंधों को शानदार तरीके से प्रदर्शित करती है। फिल्म का निर्माण वॉल्ट डिज्नी पिक्चर्स की ओर से किया गया है। निर्देशन एंड्रयू स्टैंटन ने किया है। इस मौके पर शहर के प्राथमिक विद्यालय, परेड ग्राउंड, एनआईओएस, दून गर्ल्स स्कूल, वेल्हम्स गर्ल्स स्कूल, और आसरा ट्रस्ट के बच्चे मौजूद रहे।

पेयजल समस्या का हल निकाले जल संस्थान

देहरादून। केशर जन कल्याण समिति के प्रदेश अध्यक्ष भाजपा नेता एडवोकेट एनके गुसाईं के नेतृत्व में मंगलवार को माजरी माफी मोकमपुर के क्षेत्रवासियों ने रिंग रोड स्थित उत्तराखंड जल संस्थान के अधिशासी अभियंता को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा कि मोहकमपुर, माजरी माफी की शहीद अजय वर्धन कालोनी, मधुवन कालोनी, कृष्ण विहार कालोनी, ओम विहार कालोनी, कलिंगा विहार, माजरी माफी हरिपुर जंगल रोड समेत कई इलाकों में लंबे समय से पेयजल की समस्या हो रही है। उन्होंने कहा कि यदि समस्या हल नहीं हुई तो धरना प्रदर्शन करेंगे।

नशे का एक कदम जीवन को बर्बाद कर देगा : दुष्यंत

हल्द्वानी।ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी के भीमताल परिसर में नशे को कहो ना और जीवन को कहो हां शीर्षक पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में साईं कृपा नशा मुक्ति केंद्र हल्द्वानी की टीम ने प्रतिभा किया। नशा मुक्ति केंद्र के दुष्यंत अहूजा ने छात्र–छात्राओं से नशे से दूर रहने की अपील की।

डीएम ने तहसील दिवस में सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

डीएम ने 40 शिकायतों में से 28 शिकायतों का मौके पर किया निस्तारण

जयन्त प्रतिनिधि।पौड़ी : जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान की अध्यक्षता में तहसील चौबट्टाखाल स्थित स्व. ऋषि बल्लभ सुंदरियाल राजकीय महाविद्यालय के सभागार में तहसील दिवस का आयोजन किया गया। तहसील दिवस में कुल 40 शिकायतें दर्ज हुई, जिनमें से 28 का मौके पर ही निस्तारण किया गया, जबकि शेष शिकायतों पर संबंधित अधिकारियों को एक पखवाड़े के भीतर निस्तारण के निर्देश दिए गए हैं। तहसील दिवस पर अधिकांश शिकायतें जल संस्थान, विद्युत विभाग, लोक निर्माण विभाग से संबंधित थीं। ग्राम गडरी के धीरज सिंह गुसाईं ने उनके आवासीय भवन के पास से 63 केवी के ट्रांसफार्मर को अन्यत्र जगह पर शिफ्ट करने संबंधी शिकायत पर जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को मौका मुआयना करते हुए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि क्षेत्र में झूलती तारों और झुके हुए पोलों व तारों पर लटकती पेड़ों की टहनियों की लॉपिंग प्राथमिकता के आधार पर करें। जिलाधिकारी ने कहा कि विद्युत विभाग की छोटी-छोटी शिकायतों का स्वतः संज्ञान लेते हुए उनका निस्तारण करना सुनिश्चित करें। कहा कि यदि कार्यों में शिथिलता बरती जाती है तो संबंधित अधिकारी के प्रति आवश्यक कार्यवाही अमल में लायी जाएगी। महिपाल सिंह की तहसील मुख्यालय चौबट्टाखाल में, जबकि रेवत सिंह की नौगांवखाल में आधार कार्ड बनवाने में आ रही दिक्कतों को लेकर की गई शिकायत पर जिलाधिकारी ने तहसीलदार चौबट्टाखाल को निर्देश दिए कि आधार संबंधी शिकायतों के निस्तारण को ई-डिस्टिक मैनेजर से समन्वय बनाते हुए टास्क के तौर पर गंभीरता से लेकर निस्तारण करना सुनिश्चित करें। ग्राम प्रधान सलाण विकास रावत की लोनिवि की गवाणी-पोखड़ा मोटर मार्ग पर झाड़ी कटान सम्बन्धी प्रकरण पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता शिवा को डिवीजन क्षेत्र अंतर्गत विभागीय सड़कों पर झाड़ी कटान की कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। पांथर, नौगांवखाल, जणदा देवी, मरडा के ग्रामवासियों ने गांवों में नियमित रूप से पेयजल आपूर्ति नहीं होने, पूर्व प्रमुख सुरेंद्र सिंह रावत ग्राम पंचायत सेडियाधार व वीणाधार में पेयजल आपूर्ति बाधित होने, ग्राम प्रधान दणखंड प्रीति देवी ने गांव में पेयजल समस्या बाधित होने, ग्राम दांथा के सुरेंद्र सिंह गुसाईं गांव में निर्बाध पेयजल आपूर्ति नहीं होंने संबंधी शिकायतों पर जिलाधिकारी ने जल संस्थान के अधिकारियों के कार्य शैली के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि कार्यशैली में सुधार लाते हुए क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति सम्बन्धी प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करना सुनिश्चित करें। इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख पोखड़ा प्रीति देवी, उपजिलाधिकारी चौबट्टाखाल अनिल चिनयाल, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी देवेंद्र सिंह बिष्ट, महाप्रबंधक उद्योग राजेंद्र आर्य, अधिशासी अभियंता लोनिवि केएस नेगी, निर्माण खंड शिवा, जिला पूर्ति अधिकारी अरुण कुमार वर्मा, एआरटीओ एन.के. ओझा, सहायक अभियंता सिंचाई संदीप कुमार मौर्य, सहायक अभियंता जल संस्थान संजय कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

राज्य आंदोलनकारियों ने सीएम का जताया आभार

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : राज्य आंदोलनकारियों और उनके आश्रितों को नौकरी में 10 फीसदी क्षैतिज आरक्षण के विधेयक को राजभवन की मंजूरी मिलने पर राज्य आंदोलनकारियों ने मंगलवार को मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए खुशी जताई। इस दौरान राज्य आंदोलनकारियों ने आतिशबाजी कर मिठाई बांटी। कहा कि उनकी वर्षों पुरानी मांग पूरी हुई है। इस मांग को लेकर वह कई सालों से संघर्ष कर रहे थे।

इस मौके पर राज्य आंदोलनकारियों ने कहा कि कई वर्षों से चली आ रही राज्य आंदोलनकारियों की मांग के पूरा होने से राज्य आंदोलनकारियों एवं उनके आश्रितों को सरकारी नौकरी में 10 फीसदी क्षैतिज आरक्षण का लाभ मिलेगा। राज्य आंदोलनकारियों ने इस मौके पर राज्यपाल व मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सहित विधेयक को मंजूरी दिलाने में सहयोग करने वाले मंत्रियों व तमाम लोगों का आभार जताया। इस मौके पर चिन्हित राज्य आंदोलनकारी मंच की जिला अध्यक्ष लीला ढौंडियाल, विजय शर्मा, जितेंद्र जोशी, अनूप कंडारी, सुरेंद्र सिंह, सुनील नेगी, हबीबुल रहमान, सर्वेश कुकरेती, बृजभूषण यादव, सुरेंद्र सिंह नेगी, चंद्र मोहन मुंडेपी, प्रेम सिंह नेगी, हेमेंद्र नेगी आदि मौजूद रहे।

ताइक्वांडो चैपियनशिप में टिहरी के दो खिलाड़ी दिखायेगें प्रतिभा

नई टिहरी : आगामी 22 से 25 अगस्त तक आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में आहुत होने वाले आईटीएफयू एशियन ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2024 प्रतियोगिता में टिहरी जिले से दो खिलाड़ी भी भारत की टीम का हिस्सा होंगे। करीब 10 देशों के खिलाड़ी विभिन्न श्रेणी में ताइक्वांडो में जौहर दिखाएंगे। मंगलवार को प्रेस क्लब में पत्रकार वार्ता करते हुए देवभूमि आईटीएफयू ताइक्वांडो एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक कुमार राठौर ने बताया कि टिहरी से वह और अनुष्का खणका इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भाग लेंगे। अशोक जहां सीनियर वर्ग तो अनुष्का मिडिल वर्ग में हिस्सा लेंगी। (एजेंसी)

विस सत्र में कम समय में कैसे उठेंगे ज्यादा मुद्दे

– नेता प्रतिपक्ष ने की सरकार से मानसून सत्र की अवधि बढ़ाने जाने की मांग

देहरादून। भराड़ीसैंण में विधानसभा सत्र शुरू होने से एक दिन पहले नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने सरकार से मानसून सत्र की अवधि बढ़ाने जाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड विधानसभा की कार्य संचालन नियमावली के अनुसार साल में आहूत होने वाले विधानसभा के तीन सत्रों को मिलाकर कम से कम 60 दिन सत्र चलाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ सालों से सरकार सालभर में कुल मिलाकर 15 दिन भी विधानसभा का सत्र नहीं चला रही है। मंगलवार को मीडिया को जारी बयान में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि गत वर्षों की भांति इस साल भी अभी तक विधानसभा सत्र नाममात्र के लिए चले हैं। इन दिनों में शोक वाले दिन भी सम्मलित होते हैं। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि विधानसभा के जिन कार्य दिवसों में शोक प्रस्ताव पर चर्चा होती है, उस दिन अन्य कोई कार्य नहीं होता है। यशपाल आर्य ने बताया कि गत वर्ष भी विधानसभा के सभी सत्र केवल 8 से 10 दिन ही चले। आर्य ने कहा कि सरकार हर बार बिजनेस न होने का हास्यास्पद तर्क देती है। जबकि राज्य में अभी भी उत्तर प्रदेश के सैकड़ों कानून चल रहे हैं। सरकार में इच्छाशक्ति होती तो राज्य की परिस्थितियों के अनुसार विधानसभा में कानून बनाती। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि राज्य में यही विधायी कार्य तो हाउस का बिजनेस होता है।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को जयंती पर किया नमन

विकासनगर। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती पछुवादून, जौनसार बावर में मंगलवार को सादगी के साथ मनाई गई। कांग्रेसियों ने स्व. राजीव को संचार क्रांति का जनक बताते हुए कहा कि 21वीं सदी के जिस सशक्त एवं युवा भारत की तस्वीर आज देख रहे हैं, वह उन्हीं की देन है। तिलक भवन में कांग्रेसियों ने पूर्व प्रधानमंत्री की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भावपूर्ण स्मरण किया। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अभिनव ठाकुर ने कहा कि स्व. राजीव गांधी की बदौलत ही भारत कंप्यूटर व संचार तकनीक के क्षेत्र में विकासशील देशों से कहीं आगे निकल चुका है। अन्य वक्ताओं ने कहा कि राजीव गांधी जिंदा होते तो नव भारत की तस्वीर कुछ और ही होती। कहा कि पंचायतीराज व्यवस्था, 18 साल के युवाओं को मतदान का अधिकार दिया जाना पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की ही देन है।

जिले में मानसून सत्र के दौरान मिले 6 केस एलाइजा पॉजिटिव

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : स्वास्थ्य विभाग पौड़ी द्वारा मच्छर जनित बिमारियों के प्रति लोगों को जागरुक करने के साथ ही मानसून सीजन में सोर्स रिडकशन की कार्यवाही लगातार जारी है। जनपद में मानसून सत्र के दौरान 06 केस एलाइजा पॉजिटिव पाये गये हैं। जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि मच्छर दुनिया के खतरनाक कीटों में से एक है इनके काटने से ड़ेगू, चिकनगुनिया, जीका वायरस, मलेरिया आदि घातक बिमारियों का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने अपील की है कि अपने घरों के आस-पास साफ सुथरा रखें व घरों के आस-पास कहीं भी पानी एकत्र न होने दें। इसके साथ ही मच्छरों के पनपने के स्थान पर सोर्स रिडक्सन करते रहें।जिला मलेरिया अधिकारी इन्द्रपाल सिंह ने बताया कि जनपद में मानसून सत्र के दौरान 06 केस एलाइजा पॉजिटिव पाये गये हैं, जिसमें 3 कोटद्वार 2 लक्ष्मणझूला व 1 पौड़ी क्षेत्र से है। मच्छरों से होने वाली बिमारियों के बचाव के लिए इस दौरान आशा कार्यकत्रियों के माध्यम से 76031 घरों में सोर्स रिडकशन की कार्यवाही की जा चुकी है, जिसमें 3418 घरों में मच्छरों का लार्वा मिला है। साथ ही घरों में 432926 कंटेनर का निरीक्षण किया गया, जिसमें 6179 कटेंनरों में मच्छरों का लार्वा मिल चुका है। जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि जनपद में आशा कार्यकत्रियों व 09 पीआरडी वालिंटियर द्वारा जनपद में विशेष तौर पर नगर पालिका व नगर निगम क्षेत्रों में सोर्स रिडक्सन व फागिंक की कार्यवाही लगातार जारी है। अभी तक जनपद में 2361 एलाइजा टेस्ट व 1144 आरटीडी टेस्ट हो चुके हैं, जिसमें एलाईजा में 06 लोग पॉजीटिव पाये गये। जिनका उपचार विभिन्न चिकित्सालयों में चल रहा है। डेगूं व मलेरिया रोकथाम को लेकर अभी तक 45 लोगों के चालान किये गये हैं।

मदरसे में बच्चों से मारपीट का वीडियो आया सामने, मदरसे के मुफ्ती के खिलाफ मुकदमा दर्ज

देहरादून। उत्तराखंड के देहरादून जिले में मदरसे के अंदर बच्चों के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने मदरसा संचालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। वहीं अब बच्चों के साथ हुई मारपीट का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो की पुष्टि देहरादून आईएसबीटी पुलिस चौकी इंजार्ज देवेश खुगशाल ने की है।

दरअसल, बीती आठ अगस्त को देहरादून की आजाद कॉलोनी में स्थित जामिया तुस्सलाम अल इस्लामिया मदरसा में 30 बच्चों की तबीयत बिगड़ गई थी। जिसकी वाडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वायरल वीडियो को संज्ञान लेने के बाद उत्तराखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने देहरादून एसएसपी अजय सिंह को मामले की जांच के निर्देश दिए थे। इसके बाद उत्तराखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ गीता खाना और चौकी प्रभारी आईएसबीटी के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। संयुक्त टीम ने मदरसे का निरीक्षण किया। निरीक्षण में सामने आया है कि मदरसा करीब 400 गज भूमि पर बना है, जिसमें करीब 250 बच्चे पढ़ते हैं। इसमें से 60 छात्र बिहार के हैं और 55 मदरसे के हॉस्टल में ही रहते हैं। सीसीटीवी कैमरे पर लगी टेप से पुलिस को हुआ शकः पुलिस ने मदरसे के अंदर लगे सीसीटीवी फुटेज की वीडियो भी अपने कब्जे में ली। पुलिस ने जब सीसीटीवी वीडियो की फुटेज चेक किया तो सामने आया कि 25 जुलाई दोपहर को करीब ढाई बजे एक कैमरे पर किसी ने टेप चिपकाई है। टेप चिपकाने के बाद कैमरे से कुछ दिख नहीं रहा है। इस वजह से पुलिस को कुछ संदेह हुआ। इसके बाद पुलिस ने कुछ और फुटेज चेक की तो सामने आया कि 27 जुलाई को मदरसे के एक कमरे में कुछ बच्चों को लाइन में खड़ा किया गया और फिर बारी–बारी से एक व्यक्ति उनकी पिटाई कर रहा है। इस दौरान एक बच्चा कमरे में बंद था और फर्श पर लेटा हुआ था। मदरसा संचालक मुफ्ती रईस अहमद के खिलाफ मुकदमा दर्जः उत्तराखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष ने जब इस बारे में मदरसा संचालक मुफ्ती रईस अहमद से पूछा तो उन्होंने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। इसी आधार पर पुलिस ने मदरसा संचालक रईस अहमद के खिलाफ किशोर न्याय अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया। देहरादून एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि पुलिस टीम मदरसे से सीसीटीवी कैमरे की डीवीआर ली थी। सभी डीवीआर को चेक किया गया तो उसमें एक फुटेज मिली, जिसमें रात के समय बच्चों के साथ क्रूरता की बात सामने आई थी।

चेंबर की सफाई नहीं होने से घरों में घुस रहा गंदा पानी

विकासनगर। गीता भवन रोड पर सेंट जेम्स वाली गली में नाली का चेंबर कई दिनों से बंद पड़ा हुआ है। चेंबर की सफाई न होने से गंदा पानी पंजाबी कॉलोनी में लोगों के घरों में घुस रहा है। कॉलोनीवासियों ने नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर चेंबर की सफाई कराने की मांग की है। ज्ञापन में कॉलोनीवासियों ने कहा कि गीता भवन रोड पर सेंट जेम्स वाली गली में नाली का चैंबर बना हुआ है, जो काफी समय से बंद है।

जिसके कारण गंदे पानी की निकासी नहीं हो पा रही है। इससे सारा गंदा पानी पंजाबी कॉलोनी में लोगों के घरों में घुस रहा है। उन्होंने ईओ को जल्द ही चेंबर की सफाई कराने की मांग की है। ईओ बद्री भट्ट ने कहा कि जल्द ही चेंबर को साफ कर दिया जाएगा। ज्ञापन सौंपने वालों में भारत कालरा, शरद, कमल, सुरेश सोनी, गुनीत, रोमी, मुन्नी आदि मौजूद रहे।

मिलेट्स अपनाएंगे, तभी आने वाली पीढ़ियों को बचा पाएंगेः डॉ. खादर

विकासनगर। देश के नामचीन आहार विशेषज्ञ डॉ. खादर वली ने कहा कि धीरे–धीरे हम प्रकृति से दूर होते जा रहे हैं। यही हमारे कष्टों का कारण है। हमें निरोग रखने में सूर्य नमस्कार की अहम भूमिका है। पिछले 30 सालों से हम मिलेट्स खाने को लेकर लोगों को प्रेरित कर रहे हैं।

आज भारत सरकार ने श्रीअन्न को अपने प्रोजेक्ट में शामिल किया है। यह अच्छी बात है। हम देर से जाग रहे हैं, लेकिन दुरुस्त रास्ते पर हैं। श्री अन्न के क्षेत्र में अभी और काम किए जाने की जरूरत है। मिलेट्स अपनाएंगे तभी आने वाली पीढ़ियों को बचा पाएंगे। राजावाला स्थित इंडियन पब्लिक स्कूल में तीन दिवसीय मिलेट्स महोत्सव के समापन अवसर पर उन्होंने यह बात कही। डॉ. खादर ने कहा मिलेट्स को लेकर हम सभी लोगों को समाज में जागरूकता फैलाने की जरूरत है। अब विदेशी भी इसे सुपर फूड, हेल्दी फूड और फ्यूचर फूड कहने लगे हैं। श्रीअन्न हम भारतीयों का भोजन रहा है। पिछले करीब 100 वर्षों से हमने इसे खाना छोड़ दिया। नतीजा बीमार होते जा रहे हैं। हमें बाजार की नहीं बल्कि अपने मन की बात सुननी चाहिए। हम बचपन से यह पढ़ने सुनते रहे हैं कि स्वास्थ्य ही धन है। आप पहले अपनी रसोई को बदलिए, स्वस्थ रहिए, बाजार के खान–पान से दूर रहिए, मैगी, नूडल्स, पिज्जा छोड़िए। श्री अन्न से इटली, डोसा, पकोड़ा, नूडल्स, पास्ता, परांठा, रोटी, चावल, खिचड़ी सब कुछ बनाया जा सकता है। श्री अन्न के सेवन के लिए उसे 6 से 8 घंटा पानी में भिगोना पड़ता है। इससे वह सुपाच्य हो जाएगा और शरीर के हिसाब से पौष्टिकता से भरपूर हो जाएगा। श्रीअन्न से हम तीन गुना अधिक लोगों को खाद्य सुरक्षा दे सकते हैं। एक किलो चावल पांच लोगों का पेट भर सकता है, जबकि एक किलो श्रीअन्न 10 लोगों को तृप्त कर सकता है। आरके सिंह ने कहा कि भारत सरकार श्री अन्न के क्षेत्र में काम कर रही है। देशभर के कृषि विश्वविद्यालयों में श्रीअन्न के क्षेत्र में काम किया जा रहा है। सरकार किसानों को प्रेरित कर रही है और अनुदान भी दे रही है। वरिष्ठ पत्रकार और इंदिरा गांधी कला केंद्र के अध्यक्ष पद्मश्री राम बहादुर राय ने कहा कि अंग्रेजों के आने से हमें बहुत क्षति पहुंची है। जिसका खामियाजा हम भुगत रहे हैं। आज हम अपनी पारंपरिक चीजों को छोड़ चुके हैं। सेहत की जगह स्वाद पर बल दिया जा रहा है। इस प्रकार के कार्यक्रम लगातार होते रहने चाहिए।

अस्पताल परिसर और आस पास के क्षेत्रों में बढ़ाई जाए पुलिस सुरक्षा

देहरादून। कोलकाता और रुद्रपुर रेप केस के बाद स्वास्थ्य विभाग ने अस्पताल परिसर और उसके आस पास के क्षेत्रों की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किए जाने पर जोर दिया है। सचिव स्वास्थ्य डा। आर राजेश कुमार ने पुलिस महानिदेशक को पत्र लिख कर अस्पतालों और आस पास के क्षेत्र में पुलिस सुरक्षा बढ़ाने और आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों को चिन्हित कर कार्रवाई के लिए कहा।

सचिव स्वास्थ्य ने पत्र में कहा कि तत्काल दून अस्पताल में पुलिस चौकी की स्थापना की जाए। इसमें पुरुष और महिला पुलिस कर्मियों की तैनाती की जाए। पुलिस कर्मियों की अस्पताल परिसर में प्रभावी गश्त सुनिश्चित की जाए। किसी भी आवंछनीय घटना होने पर प्रभावी तरीके से कानून की व्यवस्था को नियमानुकूल बनाया जाए। अस्पताल परिसर में घूमने वाले अवांछनीय तत्वों को प्रभावी पुलिसिंग प्रक्रिया ये चिन्हित किया जाए। ऐसे लोग अस्पताल परिसर में एंट्री न कर पाए, इसके लिए प्रभावी प्रयास किए जाएं। ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। दून अस्पताल के इमरजेंसी, ओपीडी, फुट ओवरब्रिज एरिया के पास वर्तमान में संचालित ऑटो स्टैंड को दूसरे स्थान पर शिफ्ट किया जाए। ताकि अवांछनीय तत्वों की भी अस्पताल परिसर में प्रवेश की संभावनाए पूरी तरह खत्म की जा सकें।

टोंस और यमुना का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंचा

विकासनगर। पछुवादून में यमुना खतरे के निशान के नजदीक बह रही है। नदी के ऊपर वाले क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के चलते जल स्तर बढ़ने के खतरे को देखते हुए निचले इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए अलर्ट घोषित कर दिया गया है। मंगलवार देर शाम यमुना का जल स्तर 454.46 मीटर पर रहा, जो खतरे के निशान से 91 सेमी नीचे है। जबकि टोंस का बहाव खतरे के निशान से मात्र 15 सेमी नीचे रहा। दोनों ही नदियों के अपर स्ट्रीम में लगातार हो रही बारिश के चलते प्रशासन ने अभी भी अलर्ट जारी किया हुआ है। एसडीएम विनोद कुमार ने बताया कि जल स्तर बढ़ने पर निकासी अलर्ट जारी कर दिया गया है। यमुना के निचले इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए भी अलर्ट घोषित कर दिया गया है। प्रशासन और आपदा प्रबंधन तंत्र जल स्तर पर नजर बनाए हुए है, इसके लिए उत्तराखंड जल विद्युत निगम और डकपत्थर बैराज प्रबंधन से भी लगातार संवाद किया जा रहा है। किसी भी परिस्थिति से निपटने की पूरी तैयारी की गई है। आपात स्थिति के लिए सरकारी स्कूल, पंचायत भवनों में ठहरने की व्यवस्था की गई है। हालांकि अभी जल स्तर खतरे के निशान से नीचे है, लेकिन यमुना के ऊपरी कैचमेंट एरिया (जल अधिग्रहण क्षेत्र) में लगातार हो रही बारिश से जल स्तर बढ़ने के संभावित खतरे को देखते हुए पूरा तंत्र अलर्ट मोड पर है। जल स्तर में और वृद्धि को लेकर लोगों को सावधान करने के लिए मुनादी की जा रही है। इसके साथ ही खारा पावर हाउस और हथिनीकुंड बैराज प्रबंधन को भी सूचना दे दी गई है। उधर, टोंस के लगातार बढ़ रहे जल स्तर को देखते हुए कालसी तहसील प्रशासन ने भी अलर्ट जारी किया हुआ है।

टैक्सपेयर की कमाई से चलता है सत्र, इसका सदुपयोग जरूरीः खंडूड़ी

देहरादून। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी ने मंगलवार को कहा कि विधानसभा सत्र राज्य के लोगों द्वारा दिए गए टैक्स के पैसे से चलता है। ऐसे में इसका राज्य के विकास में सदुपयोग किया जाना जरूरी है। मानसून सत्र के लिए सड़क मार्ग से गैरसैंण विधानसभा भवन जाते समय उन्होंने मलेथा, रतूड़ा आदि स्थानों पर कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस दौरान उन्होंने विधानसभा सत्र के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह सत्र टैक्सपेयर जनता की कमाई से चलाया जाता है, और इसे प्रदेश के विकास के लिए पूर्ण सदुपयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने विधानसभा सत्र के प्रति सभी विधायकों और अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे कार्यशीलता, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। कहा कि इस सत्र का उद्देश्य प्रदेश की समस्याओं का समाधान और विकास कार्यों को प्राथमिकता देना है, जिससे जनता को वास्तविक लाभ हो सके। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए कहा कि सत्र प्रदेश के लिए सकारात्मक और उन्नतिकारी साबित होगा। उन्होंने विधानसभा सत्र के लिए सभी विधायकों को शुभकामनाए दीं और विश्वास जताया कि यह सत्र राज्य के आम लोगों के लिए लाभकारी साबित होगा। रुद्रप्रयाग पहुंचने पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों के साथ वृक्षारोपण किया।

अस्पतालों में तीन दिन बाद खुली ओपीडी, मरीजों की लगी भीड़

विकासनगर। पछुवादून के अस्पतालों में तीन दिन बाद ओपीडी खुली तो मरीजों की भीड़ लग गई। पंजीकरण काउंटर से लेकर चिकित्सकों के केबिन के बाहर तक मरीजों की लंबी–लंबी कतारें नजर आई। ऐसे में पूरे ओपीडी समय के दौरान डॉक्टर व्यस्त दिखाई दिए। ज्यादा मरीज आने के कारण कुछ चिकित्सकों ने एक घंटे अधिक समय तक ओपीडी का संचालन किया। शनिवार से सोमवार तक लगातार तीन दिन अस्पतालों की ओपीडी बंद रही। इन तीनों ही दिनों के दौरान रविवार के साप्ताहिक अवकाश को छोड़कर जिन लोगों को ओपीडी बंद रहने की जानकारी नहीं थी वे अस्पताल में भटकते रहे। दूसरी ओर इन तीन दिनों में सिर्फ आपातकालीन सेवाएं ही नियमित रखी गई। हालांकि विशेषज्ञ चिकित्सकों को आन कॉल भी रखा गया। इमरजेंसी में उनकी सेवाएं भी ली गई। बावजूद जब मंगलवार को ओपीडी खुली तो उप जिला अस्पताल में मरीजों की भीड़ बढ़ गई। आम दिनों के मुकाबले लगभग तीन सौ मरीज अधिक पहुंचे। सुबह आठ बजे से लेकर दोपहर दो बजे तक पंजीकरण काउंटर पर मरीजों और उनके परिजनों की कतार लगी रही। अस्पताल स्टाफ के मुताबिक मंगलवार को आठ सौ से अधिक मरीज ओपीडी में उपचार को पहुंचे। जिससे कई चिकित्सकों को साढ़े तीन बजे तक ओपीडी में बैठना पड़ा। उप जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. विजय सिंह ने बताया कि कभी भी जब तीन दिन तक ओपीडी बंद होती है तो स्वाभाविक रूप से अगले दिन मरीज बढ़ जाते हैं, लेकिन उसमें किसी को परेशानी नहीं आती। मंगलवार को भी सभी मरीजों की जांच के बाद आवश्यक उपचार दिया गया।

सरकार की संवेदनशीलता समाप्त हो गई हैः यशपाल

हल्द्वानी। केदारनाथ आपदा पीड़ितों को लेकर मंगलवार को नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने बयान जारी कर राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाया है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि राज सरकार की संवेदनशीलता समाप्त हो गई है। वह हाल की केदारनाथ आपदा पीड़ितों की कोई सुध नहीं ले रही है।

यही नहीं सरकार ने आपदा में हताहत, गुमशुदा, घायलों और बीमारों की कोई सूचना तक जारी नहीं की है। उन्होंने कहा कि सरकार की असंवेदनशीलता का पता उनको 31 जुलाई केदारनाथ आपदा में गौरीकुंड से लापता चल रहे हिमांशु नेगी (22) के परिजनों से मिलने के बाद लगाया। हिमांशु नेगी गैरसैण विधानसभा परिसर से लगे गांव परवाड़ी का निवासी हैं। उनके पिता नरेन्द्र सिंह नेगी ने बताया कि केदारनाथ में आपदा के शाम से हिमांशु का फोन न लगने पर वह 3 अगस्त को सोनप्रयाग पंहुचे। 12 अगस्त को गुमशुदगी दर्ज हो पाई है। परिजनों का आरोप है कि प्रशासन हमेशा एक ही जबाव दे रहा है कि, रेस्क्यू जारी है। इससे पता चलता है कि सरकार पूरी तरह से असंवेदनशील हो चुकी है।

गैरसैंण को स्थाई राजधानी घोषित करे सरकारः उक्रांद

देहरादून।उत्तराखंड क्रांति दल(उक्रांद) ने गैरसैंण को तत्काल स्थाई राजधानी घोषित करने समेत विभिन्न मांगे सरकार से की हैं। दल ने मंगलवार को कचहरी में प्रदर्शन किया और जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। दल कार्यकर्ता काफी संख्या में कचहरी पहुंचे थे।

यहां महानगर अध्यक्ष बिजेंद्र सिंह रावत ने कहा कि उत्तराखंड बने के 23 वर्ष पूरे हो चुके हैं, लेकिन राज्य की जनभावना के अनुरूप प्रदेश का विकास नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा कि यदि प्रदेश का विकास करना है, तो यहां की समस्याओं का समाधान सबसे पहले करना होगा। उन्होंने देश के संविधान के अनुरूप राज्य में मूलनिवास का आधार वर्ष 1950 निर्धारित करने, एक राज्य एक कानून के तहत मैदानी क्षेत्रों में भी मूलनिवास की व्यवस्था करने, अनुच्छेद – 371 के अन्तर्गत विशेष व्यवस्था के तहत अथवा हिमाचल प्रदेश की तर्ज पर सशक्त भू–कानून लागू करने, अंकिता भंडारी की हत्या की संपूर्ण जांच सीबीआई से करवाने, उत्तराखंड सचिवालय, विधानसभा सहित विभिन्न विभागों में पिछले दरवाजे से की गई भर्तियों, यूकेएसएसएससी, यूकेपीएससी भर्ती घोटालों, पेपर लीक प्रकरणों की जांच सीबीआई से करवाने आदि मांग की। उन्होंने सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा। मौके पर युवा प्रकोष्ठ के केंद्रीय अध्यक्ष राजेंद्र सिंह बिष्ट, सुनील ध्यानी, बृज मोहन सजवाण, अशोक नेगी, प्रताप कुंवर, अनूप बिष्ट, राजेंद्र प्रधान आदि मौजदू थे।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com